अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरुवार 6 जुलाई 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

शक्ति प्रदर्शन में अजित का पलड़ा भारी

महाराष्ट्र की सियासतः शरद पवार को हटाकर अजित एनसीपी अध्यक्ष बने, उम्र हो गई, अब आशीर्वाद दीजिए, शरद पवार का जवाब- अजित खोटा सिक्का निकला

मुंबईः महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने बुधवार को शरद पवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटाने का ऐलान किया। अजित ने खुद को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बताया। प्रफुल्ल पटेल ने मुंबई में 30 जून को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाई थी, उसी में यह फैसला हुआ था। इधर, दोनों गुटों के नेता चुनाव आयोग पहुंचे। अजित पवार गुट ने आयोग में एनसीपी और उसके चुनाव चिन्ह घड़ी पर अपना दावा जताते हुए 30 जून को ही पत्र भेजा था। वहीं, शरद पवार गुट के नेता और महाराष्ट्र में पार्टी के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने आज आयोग से अजित समेत 9 विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की। इससे पहले मुंबई में अजित पवार ने सुबह 11 बजे और शरद पवार ने दोपहर 1 बजे बैठक की। अजित ने शरद की उम्र पर तंज कसा तो, चाचा ने उन्हें खोटा सिक्का कहा। शरद पवार की बेटी सुप्रिया ने भी भाई के बयान का जवाब देते हुए कहा- रतन टाटा की उम्र 86 साल, सायरस पुनावाला 84 साल, अमिताभ बच्चन 82 की उम्र के हैं। वारेन बफेट और फारूख अब्दुल्ला की उम्र देखो, क्या ये काम नहीं कर रहे। अपमान हमारा करो, हमारे पिता का नहीं। एनसीपी का एक ही सिक्का है शरद पवार।

अजित ने गलती की, सजा भुगतने को तैयार रहेंः वाईबी चह्वाण सेंटर में मीटिंग

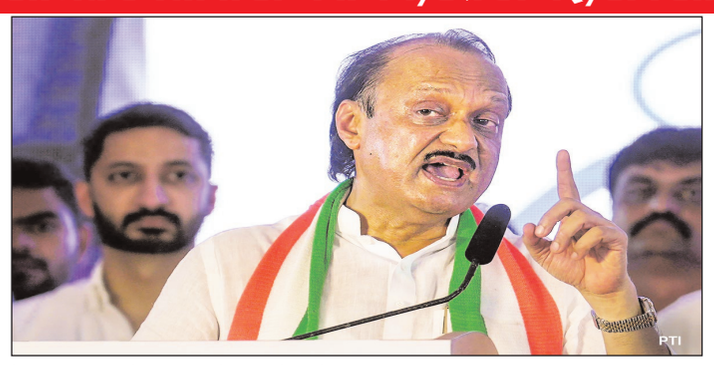

में शरद पवार ने कहा- जो शिवसेना के साथ हुआ, वही एनसीपी के साथ हुआ है। अजित पवार के मन में कुछ था तो मुझसे बात करनी चाहिए थी। सहमति नहीं हो तो बातचीत से हल निकालना चाहिए। अजित की बात सुनकर अफसोस हुआ। गलती सुधारना हमारा काम है। आपने गलती की है तो सजा भुगतने तैयार रहें। आज की बैठक ऐतिहासिक है। देश का ध्यान इस पर है। अजित की भूमिका देश हित में नहीं है। मैं सत्ता पक्ष में नहीं हूं। मैं जनता के पक्ष में हूं। प्रधानमंत्री जब बारामती आए थे उन्होंने कहा था कि देश कैसे चलाना चाहिए यह मैंने पवार साहब की ऊंगली पकड़कर सीखा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने भोपाल में कहा था कि एनसीपी ने भ्रष्टाचार किया है। अगर ये भ्रष्ट हैं तो आपने उन्हें साथ में क्यों लिया। जो मुझे छोड़कर गए हैं उन्हें विधानसभा में लाने के लिए बहुत मेहनत की है। कार्यकर्ताओं ने इनके लिए मेहनत की। उनके लिए अफसोस है। जो विचारधारा पार्टी की नहीं है उसके साथ जाना ठीक नहीं है। जिन विधायकों ने अलग होने का फैसला किया, उन्होंने हमें विश्वास में नहीं लिया।

साहेब की उम्र हो गई है, रिटायरमेंट लें और आशीर्वाद दीजिएः अजीत पवार

बांद्रा के भुजबल नॉलेज सिटी में हुई बैठक में अजित पवार ने कहा- आपकी (शरद पवार की) उम्र ज्यादा हो गई है। राज्य सरकार के कर्मचारी 58 साल में, केंद्र के 60 साल में, भाजपा में 75 साल में रिटायर्ड हो जाते हैं, लेकिन आप 84 साल के हैं। अब आप आशीर्वाद दीजिए। आपने पहले इस्तीफा दिया, फिर कमेटी बनाई और सुप्रिया सुले को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया। जब इस्तीफा वापस लेना ही था तो दिया ही क्यों था। मैं भी राज्य का मुख्यमंत्री बनना चाहता हूं। राज्य की भलाई करने के लिए राज्य प्रमुख का पद होना जरूरी है। तभी मैं महाराष्ट्र की भलाई कर पाऊंगा। 2004 के विधानसभा चुनाव में एनसीपी के पास कांग्रेस से ज्यादा विधायक थे अगर हमने उस समय कांग्रेस को मुख्यमंत्री पद नहीं दिया होता, तो आज तक महाराष्ट्र में केवल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का ही मुख्यमंत्री होता।

2024 के चुनाव में भी मोदी जी ही आएंगेः अजीत

2024 के चुनाव में भी मोदी जी ही आएंगे मुझे ऐसा लगता है। काम करने के लिए पद होना चाहिए। 2004 में एनसीपी का आंकड़ा 71 था। मैं उसे इसके आगे ले जाऊंगा।

भिक्षावृत्ति से विमुक्त हुए बच्चों को प्लेटफार्म दे रही सरकारः योगी

मुख्यमंत्री योगी ने भिक्षावृत्ति से विमुक्त हुए बच्चों को प्रमाण पत्र एवं शैक्षणिक किट वितरित किया

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्राचीन काल में भिक्षाटन भारतीय परम्परा का हिस्सा थी। इसके माध्यम से एक सन्यस्त व्यक्ति अपने अहंकार को त्यागकर समाज के दर्शन को समझ पाता था। आज भिक्षावृत्ति बच्चों के भविष्य के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि बच्चों को दिव्यांग बनाकर उनसे जबरन भिक्षावृत्ति करवाने वाले गिरोहों के खिलाफ हमारी सरकार लगातार कार्रवाई कर रही है। साथ ही भिक्षावृत्ति विमुक्त हुए बच्चों को सरकार प्लेटफार्म दे रही है। स्माइल योजना इसी लिए प्रारंभ हुई है। मुख्यमंत्री योगी ने भिक्षावृत्ति से विमुक्त हुए बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) और स्माइल परियोजना के लाभार्थी बच्चों को अपने सरकारी आवास पर बुधवार को प्रमाण पत्र एवं शैक्षिक किट वितरित किये। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भिक्षावृत्ति से विमुक्त हुए 102 बच्चों को यहां देखकर प्रसन्नता हो रही है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इन बच्चों को स्वयंसेवी संस्थाओं से जोड़कर इनके भविष्य को संवार रही है। गरीब से गरीब बच्चा पढ़

सके और अपने जीवन में कुछ अच्छा कर सके, इसके लिए बेसिक शिक्षा परिषद 2017 से सभी बच्चों को ड्रेस, बैग, पुस्तकें, स्वेटर, जूते और मोजे उपलब्ध करा रही है। आज प्रदेश के 1.91 करोड़ बच्चे इस सुविधा से लाभान्वित हो रहे हैं। योगी ने कहा कि जीवन में यदि सफल होना है तो हमें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। कोई भी कार्यक्रम तभी सफल हो सकता है जब हम उसे पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ाते हैं। पिक एंड चूज न हो, किसी के साथ भेदभाव न हो और अनावश्यक सिफारिशें न हों। मेरिट के आधार पर कार्य हो तो लखनऊ को हम भिक्षावृत्ति से मुक्त कर लेंगे। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के पुनर्वास के लिए विभागों को कार्य करना चाहिए। पटरियों पर सोने वालों को रैन बसेरों में ले जाएं। हर व्यक्ति का जीवन अमूल्य है। एक अच्छा इंसान ही एक अच्छा डॉक्टर, इंजीनियर और अच्छा अधिकारी बन सकता है। शासन की योजनाए लोगों तक पहुंचे, इस बात का विशेष ध्यान रखें।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रजिस्टर्ड श्रमिकों और अपने अभिभावकों को खो चुके बच्चों के लिए हमारी सरकार अटल आवासीय विद्यालय बना रही है। इस विद्यालय में सीबीएसई पैटर्न पर बच्चों को कक्षा एक से लेकर 12वीं तक शिक्षा मुफ्त में दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भिक्षावृत्ति समस्या का समाधान नहीं है, समस्या का समाधान परिश्रम है।

पीएम मोदी सोच ल, तोहार का हाल होई?

तेजस्वी पर चार्जशीट के बाद गुस्से में आरजेडी सुप्रीमो, कहा-और मुकदमा करो; 2024 में उखाड़ फेकेंगे

पटनाः तेजस्वी यादव पर सीबीआई की तरफ से दायर चार्जशीट के बाद लालू ने पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा है। लालू ने नसीहत देते हुए कहा कि तोहार का हाल होई? नरेंद्र मोदी सोच ल। हम लोग फूल माला बेचकर जी लेंगे। मुकदमा, मुकदमा मुकदमा करो। सिर्फ यही हो रहा है। 2024 में उखाड़ फेकेंगे। लालू यादव ने भोजपुरी में भाषण दिया। उन्होंने महंगाई पर चर्चा की और कहा कि देश में आपसी भाईचारे को खराब किया जा रहा है। लालू यादव ने कहा कि 17 पार्टियों के बड़े नेताओं ने नीतीश कुमार के आवास पर बैठक की। लालू ने ये बयान बुधवार को राजद के 27वें स्थापन दिवस पर पटना ऑफिस में आयोजित कार्यक्रम में दिया।

राजद कार्यालय में स्थापना दिवस का कार्यक्रम मनाया जा रहा। इसको लेकर भव्य तैयारी की गई। 5 जुलाई 1997 को राष्ट्रीय जनता दल की स्थापना की गई थी। 1997 से लालू प्रसाद यादव लगातार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। पार्टी कार्यालय को सजाया गया है। पार्टी ने पटना के कई चौक-चौराहों पर तोरण द्वार लगाए । कई जगहों पर पोस्टर लगाए गए ।

इनके समय फाइल खुली थीः लालू प्रसाद ने जब आरजेडी का गठन किया था उस समय वे जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे और बिहार के मुख्यमंत्री भी। बड़ी बात यह है कि तब उनकी ही पार्टी के नेता प्रधानमंत्री थे। उसी दौर में सीबीआई ने चारा घोटाले में लालू प्रसाद यादव के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने का फैसला लिया।

सीएम नीतीश ने निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

पटना। मुख्यमंत्री ने बुधवार को जेपी गंगा पथ के गायघाट के पास चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का अधिकारियों को दिया निर्देश दिया। मुख्यमंत्री जेपी गंगा पथ होते हुए गायघाट पहुंचे और वहां कराये जा रहे निर्माण कार्य की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बताया कि जेपी गंगा पथ का गायघाट तक निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और जल्द ही पूर्ण हो जायेगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए जेपी गंगा पथ के बचे हुए निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करें ताकि लोगों का आवागमन और आसान हो सके। सीएम ने कहा कि जेपी गंगा पथ के गायघाट के पास गांधी सेतु से भी बेहतर कनेक्टिविटी करायें ताकि गांधी सेतु के साथ जेपी गंगा पथ का सम्पर्क सुगम हो सके। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने जेपी सेतु से एनएच - 19 तक के कनेक्टिविटी का जायजा लिया। जेपी सेतु से होते हुये इस पथ का बकरपुर के पास एन एच - 19 का कनेक्टिविटी किया गया है।

यूसीसी का मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने किया विरोध

लखनऊः यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) का आल इंडिया पर्सनल लॉ बोर्ड के ज्यादातर सदस्यों ने बैठक में विरोध किया। बोर्ड के सदस्यों ने यूसीसी का विरोध करते हुए राय मांगने वाला पत्र जारी किया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मोहम्मद फजलुर्रहीम मुजद्दीदी ने पत्र जारी कर अपने लोगों से यूसीसी पर राय मांगी है। पत्र के माध्यम से कहा गया है कि आप सबको ज्ञात होगा कि हमारे देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने का माहौल बनाया जा रहा है। अलग-अलग धर्मों और

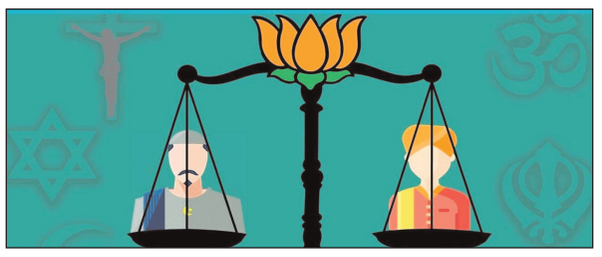

संस्कृतियों के इस देश को समान नागरिक संहिता के माध्यम से धार्मिक व सांस्कृतिक स्वतंत्रता पर चोट पहुंचायी जा रही है। इसी संबंध में भारत के विधि आयोग ने देश के लोगों से राय मांगी है। बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा कि यूसीसी पर एक राय बन पानी मुश्किल है। फिलहाल तो बोर्ड के सदस्य यूसीसी के विरोध में है। मुस्लिम धर्म में अपने नियम कानून है। बोर्ड की बैठक में भी यूसीसी पर कोई सहमति बनती नहीं दिखी है।

पेशाब कांडः आरोपी पर लगा एनएसए

सीधीः सीधी विधायक पंडित केदारनाथ शुक्ला के पूर्व विधायक प्रतिनिधि प्रवेश शुक्ला को आदिवासी युवक पर पेशाब करने के मामले में मंगलवार रात करीब दो बजे गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को सीधी पेशाब कांड पर कहा कि कृत्य बहुत घृणित और निंदनीय था।

कानून अपना काम कर रहा है। ये भाजपा की सरकार है यहां कानून का राज है। घटना सामने आने के बाद तत्काल मुख्यमंत्री जी के कहने पर एनएसए की कार्रवाई और कानूनी कार्रवाई कर दी थी, उसे रात में गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे रीवा जेल में रखा जाएगा। प्रशासन ने उसका घर भी तोड़ दिया है।

इंसानियत शर्मसारः सीधी के पेशाब कांड पर कांग्रेस लीडर राहुल गांधी ने कहा है कि भाजपा राज में आदिवासी भाइयों और बहनों पर अत्याचार बढ़ते ही जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में एक भाजपा नेता के अमानवीय अपराध से सारी इंसानियत शर्मसार हुई है।

यह भाजपा का आदिवासियों और दलितों के प्रति नफरत का घिनौना चेहरा और असली चरित्र है!

गोरखपुर में ढाई किमी की सघन आबादी से गुजरेंगे पीएम मोदी

गीताप्रेसः कल गोरखपुर आएंगी पीएम मोदी

गोरखपुर। सात जुलाई को गोरखपुर दौरे पर आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का काफिला लगभग ढाई किलोमीटर तक सघन आबादी के बीच से गुजरेगा। एयरफोर्स से गीताप्रेस तक जाने वाले प्रधानमंत्री के काफिले की सुरक्षा में चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात रहेगी। इधर, प्रशासनिक अफसर प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर लगातार मंथन कर रहे हैं और सुरक्षा चाक चौबंद करने में जुटे हैं। इनमें प्रधानमंत्री के सुरक्षा व्यवस्था की लगातार समीक्षा भी हो रही है। एसपीजी टीम ने मंगलवार को प्रधानमंत्री के रूट का

निरीक्षण किया था। फिलहाल, प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए यूपी पुलिस ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। इनकी सुरक्षा में आठ पुलिस अधीक्षक, आठ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 22 क्षेत्राधिकारी, 40 इंस्पेक्टर, 190 दारोगा, 1500 सिपाही, तीन कंपनी पीएसी, तीन कंपनी अर्द्धसैनिक बल, एटीएस, एनएसजी कमांडो एवं स्नाइपर की ड्यूटी लगी है। इनकी निगहबानी में ही प्रधानमंत्री का काफिला एयरफोर्स स्टेशन से गीताप्रेस तक पहुंचेगा।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा को पुख्ता करने में जुटी पुलिस ने गोरखपुर के होटलों में सघन जांच अभियान चला रखा है। पिछले दो दिनों से यहां ठहरने वाले बाहरी लोगों की डिटेल भी ली जा रही है। उनकी पहचान से संबंधित सभी दस्तावेज जमा कराये जा रहे हैं।

मणिपुर हिंसा पर चुप क्यों हैं पीएम मोदी : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सवाल पूछा है कि मणिपुर हिंसा मुद्दे पर वह चुप क्यों हैं? कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. अजय कुमार ने बुधवार को कहा कि पीएम मोदी को दुनिया के देशों में जाने का वक्त रहता है लेकिन वह हिंसा प्रभावित राज्य मणिपुर नहीं जाते हैं। डॉ. कुमार ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह कहते हैं कि राज्य में अशांति के लिए बाहरी ताकतों का हस्तक्षेप है। ऐसे में देश के एनएसए अजीत डोभाल क्या कर रहे हैं? वह मणिपुर का दौरा क्यों नहीं कर रहे? डॉ. कुमार ने कहा कि भाजपा ने राहुल गांधी की मणिपुर यात्रा को बदनाम करने की कोशिश की थी। हालांकि वह सफल नहीं हुए। सरकार का षड्यंत्र था कि राहुल कुकी समुदाय के बीच चुराचांदपुर जाएं लेकिन मोइरांग में मैतेई समाज के बीच में न जाएं, ताकि माहौल बिगड़े। भाजपा ने झूठ फैलाया कि राहुल गांधी को रोका गया ।

सरो के बहुप्रतीक्षित मिशन चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग तैयारियां अंतिम चरणों में

चंद्रयान-3 लैंडर हेवी लॉन्च रॉकेट पर असेंबल किया गया

नई दिल्लीः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बहुप्रतीक्षित मिशन चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग को लेकर तैयारियां अंतिम चरणों में हैं। चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर रॉकेट एलवीएम-3 के साथ 13 जुलाई को चंद्रमा पर रवाना होने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चंद्रयान-3 लैंडर को आज इसरो श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र में हेवी लॉन्च रॉकेट पर असेंबल किया गया। चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर को वही नाम देने का फैसला किया है, जो चंद्रयान-2 के लैंडर और रोवर के नाम थे। चंद्रयान-2 के बाद इस मिशन को चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग की क्षमता की जांच के लिए भेजा जा रहा है। चंद्रयान-2 मिशन आखिरी चरण में विफल हो गया

था। उसका लैंडर पृथ्वी की सतह से झटके के साथ टकराया था, जिसके बाद पृथ्वी के नियंत्रण कक्ष से उसका संपर्क टूट गया था। चंद्रयान-3 को उसी अधूरे मिशन को पूरा करने के लिए भेजा जा रहा है। इसमें लैंडर के चंद्रमा की सतह पर उतरने के बाद उसमें से रोवर निकलेगा और सतह पर चक्कर लगाएगा। लैंडर का नाम विक्रम होगा जो भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई के नाम पर रखा गया है और रोवर का नाम प्रज्ञान होगा।

चंद्रयान-2 के लैंडर और रोवर के भी यही नाम रखे गए थे। इसरो अधिकारियों के मुताबिक चंद्रयान-2 मिशन फेल होने के बाद का ही अगला प्रोजेक्ट चंद्रयान-3 है, जो चंद्रमा की सतह पर उतरेगा और परीक्षण करेगा। यह चंद्रयान-2 की तरह ही दिखेगा, लेकिन चंद्रयान-3 का फोकस चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंड करने पर है।

एलसीए तेजस एमके-1ए हथियारों का परीक्षण शुरू करेगा

नई दिल्लीः लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस एमके-1ए इस साल के अंत तक हथियारों का परीक्षण शुरू कर देगा। श्रीनगर स्थित वायु सेना की 51 नंबर स्क्वाड्रन (स्वॉर्ड आर्म्स) को अगले साल से तेजस एमके-1ए विमान मिलने लगेंगे। वायु सेना की पश्चिमी कमान के अधीन इसी स्क्वाड्रन से 2019 में सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान लड़ाकू विमानों को पाकिस्तानी विमानों की घुसपैठ को रोकने के लिए तैनात किया गया था। विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान यहीं से मिग-21 में उड़ान भरकर पाकिस्तान के मेहमान बने थे। बेंगलुरु में एयरो इंडिया के दौरान 03 फरवरी, 2021 को रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ स्वदेशी सैन्य उड्डयन सेवा में अब तक का सबसे बड़ा सौदा करके 83 तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट की डील फाइनल की थी। वायु सेना को फरवरी, 2024 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से पहला लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क-1ए मिलेगा। श्रीनगर स्थित स्वॉर्ड आर्म्स स्क्वाड्रन तेजस एमके-1ए प्राप्त करने वाली पहली स्क्वाड्रन होगी। अभी तक यह स्क्वाड्रन मिग विमानों का ठिकाना है, जिन्हें तेजस की आपूर्ति शुरू होने के बाद सेवा से विदाई दी जानी है। एचएएल के मुताबिक तेजस एमके-1ए में डिजिटल रडार चेतावनी रिसीवर, एक बाहरी ईसीएम पॉड, एक आत्मसुरक्षा जैमर, एईएसए रडार, रखरखाव में आसानी और एवियोनिक्स, वायुगतिकी, रडार में सुधार किया गया है।

खबर संक्षेप

शास्त्री पुल पर गाड़ी खराब होने से लगा जाम, नहीं दिखी पुलिस

झूंसी। सावन माह में कांवरियों के लिए वाराणसी प्रयागराज मार्ग पर जगह जगह बांस बल्ली लगाकर बैरिटिंग कर दी गई है पर अभी मार्ग को न तो वनवे किया गया है न ही अभी कांवरियों का जत्था निकला है लेकिन बुधवार की दोपहर शास्त्री पुल पर लंबा जाम लग गया। मंगलवार से सावन मास शुरू हो गया है। अभी कांवर यात्रा के लिए वाराणसी प्रयागराज मार्ग को वनवे नहीं किया गया है लेकिन मार्ग पर बांस बल्ली लगाकर बेरिकेटिंग कर दी गई है शास्त्री पुल के दक्षिणी लेन के बीचो बीच डिवाइडर भी लगा दिया गया है उत्तरी लेन कांवरियों के लिए सुरक्षित रहेगी दक्षिणी लेन से ही गाड़ियों का आवागमन होगा। बुधवार दोपहर शास्त्री ब्रिज की दक्षिणी लेन पर बनाई गई दो लेन में उत्तरी लेन को बंद कर दिया गया था दक्षिणी लेन से ही गाड़ियां झूंसी की ओर से शहर की ओर जा रही थी बीच पुल पर एक कार खराब होने की वजह से आधे पुल से झूंसी तक जाम लग गया झूंसी थाने तक गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। लेकिन कोई पुलिस वाला नही नजर आया। खराब हुए वाहन को लोगो ने धक्का देकर बाहर निकाला तब जाकर आवागमन सुचारू हो सका।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से महिला की मौत

मेजा में घर से पैदल बाजार जा रही थी, हादसे के बाद गाड़ी लेकर भागा चालक

अखंड भारत संदेश

मेजा। मांडा थाना क्षेत्र के साजी गांव से बाजार के लिए पैदल निकली महिला को वाहन ने टक्कर मार दी। सुनसान इलाके का फायदा उठाकर भाग निकला। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई।परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।मांडा थाना क्षेत्र के साजी गांव निवासी निर्मल सिंह (65) पत्नी अभयराज सिंह बुधवार को घर से पैदल बाजार के लिए निकली थीं। अभी वह गांव स्थित कोरांव-मांडा राजमार्ग पर पहुंची थी कि पीछे से उन्हें किसी वाहन ने जोरदार टक्कर मार दीं और फरार हो गया। टक्कर इतना भयावह रहा कि महिला ने तत्काल दम तोड़ दिया। परिजनों ने मांडा पुलिस को तत्काल मामले की जानकारी दी। वहीं सूचना पर थाने के वरिष्ठ उपनिरीक्षक रामकेवल यादव पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहर भेज दिया है। इंस्पेक्टर सुभाष सिंह यादव ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

मेजा से गुजरात नौकरी करने गए युवक की मौत

मेजा। मांडा थाना क्षेत्र के बभनी गांव से गुजरात नौकरी करने गए युवक की पेपर मिल कम्पनी में मशीन की चपेट में आने से तीन दिन पहले मौत हो गई। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव घर लाए तो परिजन बिलख पड़े। गंगाघाट पर शव का अंतिम संस्कार किया गया।मांडा थाना क्षेत्र के दिघिया पुलिस चौकी अंतर्गत बभनी गांव निवासी सौरभ कुमार (21) पुत्र बुद्धू गुजरात स्थित पेपर मिल कम्पनी में कार्यरत था। बीते तीन दिनों पूर्व कम्पनी में कार्य के दौरान ही मशीन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई थी। कम्पनी के कर्मचारियों की सूचना घर पहुचीं तो परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव लेने गुजरात पहुंचे। वहीं आज रात मृतक का शव घर पहुंचते ही परिजन बिलख पड़े।ग्रामीणों की जुटी भारी भीड़ की आँखें नम हो गईं। ग्रामीण परिजनों को संभालने में जुटे रहे। स्थानीय नरवर चौकठा गंगाघाट पर शव का अंतिम संस्कार किया गया। बताया जाता है कि चार वर्ष पूर्व सौरभ के बड़े भाई की भी मौत हो गई थी। सौरभ गुजरात मे नौकरी कर परिवार की आजीविका चलाता था। घटना को लेकर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है।

न्यूज झरोखा

आदर्श छात्र संघ रामलीला खखैचा के वरिष्ठ पात्र के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित

प्रतापपुर। खखैचा ग्राम में चलने वाली प्राचीन रामलीला आदर्श छात्र संघ के आल राउंडर कलाकार एवं ग्राम के संभ्रांत व्यक्तित्व कृतित्व के धनी स्व. ब्रम्ह प्रसाद मिश्र के तेरहवीं पर पूरे कमेटी एवं ग्रामवासियों के साथ भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया रामलीला में जीवंत अभिनय करके लोगों को भावविभोर करने वाले ब्रम्ह प्रसाद मिश्र के निधन पर परिजनों एवं ग्रामीणों में शोक का माहौल है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में सुनील मिश्र, अनिल मिश्र, फूलचंद्र उपाध्याय, मूलचंद्र मिश्र, प्रमोद दुबे, विनय दुबे गोलू, केवला मिश्र, बब्बन मिश्र, सुभाष मिश्र, राधेश्याम मिश्र, शिवम मिश्र, अंकित मिश्र, सरयू प्रसाद तिवारी, भाष्कर दुबे, माधव दुबे, युवराज सिंह, अभिनव द्विवेदी आदि लोग मौजूद रहे।

गायत्री आजीविका स्वयं सहायता समूह हरीपुर मिश्रपुर द्वारा अमृतधरा जैविक खाद उत्पादन केंद्र का उद्घाटन

धनूपुर। अंबेडकर स्वरोजगार योजना अंतर्गत गायत्री आजीविका स्वयं सहायता समूह हरीपुर, मिश्रपुर की ओर से अमृतधरा जैविक खाद उत्पादन केंद्र का उद्घाटन मुख्य प्रबंधक बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक आशीष रॉय एवं बिटोला देवी ने किया। समूह सखी हरीपुर उर्फ मिश्रपुर एवं सचिव गायत्री आजीविका स्वयं सहायता समूह दिव्या तेजस्वी तिवारी ने बताया जैविक खाद से खेती करने पर खेतों की जमीन उर्वरक व उपजाऊ होगी, खेतों में पैदा किया हुआ अनाज हमारे स्वास्थ्य के लिये लाभदायक होगा। हमारे द्वारा तैयार किये गये क्षेत्रफल में आने वाले समय में हर दो महीने में 50 टन खाद तैयार होगी। इस मौके पर राष्ट्रीय आजीविका स्वयं सहायता धनूपुर ब्लॉक के बीएमएम अभिषेक दीक्षित, आशीष सिंह, नोडल विद्यासागर गुप्ता, सज्जन तिवारी, रिशा भारतीय, हरीपुर बैंक प्रबंधक अनुभव जायसवाल, विशाल शर्मा, गौरव तिवारी, रामेश्वर तिवारी, सुरेंद्र तिवारी, पंकज नेता, दीपू दादा, मुकुंद तिवारी, उर्मिला देवी, संस्था सचिव शिव कुमार तिवारी तेजस्वी, लक्ष्मी देवी, रत्नावली, बेबी मुसहर, गिरजा शंकर तिवारी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

दो साथियों सहित बाइक सवार को रास्ते में रोककर मारपीट

सहसों। सरायइनायत थाना के पुलिस चौकी सहसों क्षेत्र के चकिया घरहरा गांव निवासी अजय सिंह अपने दो साथियों के साथ फुलहा गांव में अपनी बहन के यहां बाइक से रविवार को सायंकाल जा रहे थे। आरोप है कि जैसे ही वह मुस्तफाबाद पुराने ईंट भट्ठा के पास पहुंचे वहां पर पहले से ही खड़े आठ दस लड़कों ने बाईक रुकवाकर मारना पीटना शुरू कर दिया। किसी तरह पीड़ित बेहाल तीनों युवक जान बचाकर वहां से भाग आये। इलाज के पश्चात पांच जुलाई को सराय इनायत थाना में पहुंच कर लीखित तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में थानाध्यक्ष सरायइनायत अरविन्द कुमार राय का कहना है कि तहरीर मिली है जांच पड़ताल की जा रही है।

महिला को चाकू मार कर किया जख्मी 4 पर मुकदमा

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के सिसई भदर पुर गांव में एक महिला को दबंगो ने लाठी डंडा ,चाकू मार कर जख्मी कर दिये । पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा के सिंसई भदरपुर गांव निवासनीय रेशमा बानों पत्नी शौकत अली का आरोप है कि गांव के कतिपय दबंगों ने मामूली बात को लेकर उसको लाठी डंडा और चाकू मारकर घायल कर दिए। रेशमा बानों ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर मोहम्मद रईस ,दौलत अली ,मोहम्मद साहिल ,मोहम्मद समीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

नैनी में दिवसीय ओम नमः शिवाय का जाप आज से

नैनी। नैनी विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संकट मोचन मंदिर त्रिवेणी नगर (मुक्ता विहार पार्क) में 6 जुलाई गुरुवार से दो दिवसीय ओम नमः शिवाय जाप एवं रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है यह जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी पंडित राजेश मिश्रा, गिरिराज शर्मा व रेनू शर्मा ने देते हुए बताया, कि इस मंदिर में विगत 24 वर्षों से जन सहयोग लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। गुरुवार से दो दिवसीय ओम नमः शिवाय का जाप एवं रुद्राभिषेक प्रारंभ कर शुक्रवार को प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के सभी भक्त जनों से उक्त कार्यक्रम में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ जी का आशीर्वाद लेने की अपील की है।

जसरा में वज्रपात से अधेड़ की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

जसरा। क्षेत्र के एक गांव में खेत का मेड़ बांध रहे अधेड़ किसान की आकाशीय बिजली गिरने से पूरी तरह से झुलस गया। परिजन आनन फानन में तत्काल सीएचसी जसरा ले गये जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दियो मौत की सूचना पर गांव में कोहराम मच गया। बुधवार की देर शाम लगभग 6:00 बजे नवल सिंह 50 वर्ष पुत्र स्व० अनंत बहादुर सिंह तातारगंज अपने खेत में मेड़ बांध रहे थे। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरने से नवल सिंह उसकी चपेट में आ गए। सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए तथा आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा ले गए। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता स्व०अनंत बहादुर सिंह लगभग 25 वर्षों तक गांव के प्रधान रहे। तथा गांव में एक प्रतिष्ठित व्यक्तियों में इनकी गिनती की जाती थी। नवल सिंह की मौत से गांव में एक ओर जहां मातम पसर गया वहीं परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। घूरपुर पुलिस शव को पोस्ट मार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया। बताते चलें कि नवल सिंह दो भाइयों में छोटे रहे।

पत्नी व परिजन हुए बेहाल : नवल सिंह की मौत की सूचना पर पत्नी लता सिंह व बेटे रबी सिंह व विवेक सिंह बेहोश हो गये। दोनों बेटे तत्काल अस्पताल पहुंच गऐ

दोनों बेटे कर रहे हैं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी : नवल सिंह के दोनों बेटे प्रयागराज में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। पिता की मौत से दोनों बच्चे बेसहारा हो गये। जब कि एक बेटी राखी सिंह का विवाह हो गया है।

घर में घुसकर की छेड़खानी ग्रामीणों ने पकड़ कर की पिटाई, पुलिस को सौंपा, दूसरे की तलाश

अखंड भारत संदेश

करछना। प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट अंतर्गत करछना इलाके में एक घर में घुसे दो लड़कों को ग्रामीणों ने दौड़ाया। एक को पकड़ लिया। लेकिन दूसरा भाग निकला। घटना को लेकर गांव में तनाव बना हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। भुक्तभोगी परिवार ने दो लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। प्रयागराज का करछना थाना क्षेत्र के एक गांव में आज दो युवक घुस गए। उस वक्त घर में एक युवती अकेली थी। आरोप है की दोनों लोगो ने लड़की के साथ जो जबरदस्ती करने की कोशिश की। लड़की ने शोर मचाया तो दोनो लोग धमकी देते हुए भाग निकले। शोर सुनकर जुटे ग्रामीणों ने दौड़ाकर एक युवक को पकड़ लिया। उसकी पिटाई करके पुलिस को सौंप दिया। इंस्पेक्टर करछना नरेंद्र प्रसाद के मुताबिक अशोक कुमार और आशीष कुमार के खिलाफ एप्लीकेशन मिली थी उस अशोक कुमार पुलिस हिरासत में है। आशीष की तलाश की जा रही है।

लपरी नदी को सुदृढ करने हेतु हुआ श्रमदान

अखंड भारत संदेश

बीडीओ एवं क्षेत्रीय ग्राम प्रधानो सहित ब्लॉक कर्मचारियों ने की सहभागिता

कोरांव। विकास खंड कोरांव के अंतर्गत लघु लपरी नदी के सुदृणि करण किए जाने हेतु पूर्व में प्रस्तावित एवम घोषित कार्यक्रम के अनुसार बीडिओ कोरांव धीरेन्द्र यादव सहित ग्राम सभा भलुहा एवम कई गांव के ग्राम प्रधानों ब्लॉक कर्मचारियों ने बुधवार को श्रम दान कार्यक्रम में सहभागिता की । बता दे कि ग्राम पंचायत भलूहा में सांसद प्रयागराज बिधायक तथा मुख्य विकास अधिकारी सहित आम जनों के उपस्थिति में ग्राम पंचायत भलूहां आदि द्वारा प्रस्तावित बिगत सप्ताह लपरी नदी के विकास हेतु सहमती जताई गई थीं। तदनुसार ५ , जुलाई को उक्त नदी के विकास कार्य की शुरूआत श्रम दान कर के सुरुआत की गई । लपरी नदी के निरंतर पाटन तथा कटान को रोकने तथा जल स्तर एवम जलवायु पर्यावरण को संतुलित बनाएं रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन , विकास विभाग ने मनरेगा से नदी को विकसित एवम सुदृढ़ किए जाने की कार्य योजना को मंजूरी प्रदान की गई हैं। अवगत हों की लपरी नदी जैसी क्षेत्र में कई अन्य लघु नदिया, नाले हैं जो विभिन्न क्षेत्रों गावों, मजरों से होते हुए बड़ी नदियों में विलय होती हैं । जैसे लपरी नदी के अलावा सेवटी नदी, तुड़ियारी नदी आदी जो अपनी पहचान खोती जा रही हैं। जन मानस द्वारा उक्त नदी नालों को अवैध ढंग से भू अधिलेखो में दर्ज क्षेत्र फलों को अतिक्रमित करते हुए अनाज पैदा कर निजी लाभ उठाते हुए उक्त नदियों का लगातर दोहन किए जाने से नदियों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया हैं। किंतु राजस्व विभाग एवम भूमि प्रबंधक समितियां मूक दर्शक हैं। वहीं दूसरी तरफ उक्त नदियों में निर्मित सिंचाई विभाग के चेकडैम मरम्मत एवम सफाई के अभाव में दम तोड चुके हैं। सरकार एवम विकास विभाग को उक्त नदी नालों के अस्तित्व पर भी नजरे इनायत किए जाने की जरूरत हैं। इस संदर्भ में क्षेत्रीय ग्राम प्रधानों की मांग है की उपरोक्त नदिया जैसे न्याय पंचायत महुली, बड़ोखर, पवारी इत्यादि इलाकों से जिन जिन ग्राम पंचायतों से हो कर गुजरी हैं उन ग्राम पंचायतों को मनरेगा योजना के तहत नदियों के साफ सफाई एवं शुद्धिकरण का दायित्व दिया जाए। जिससे आने वाले दिनों में जल स्तर को बनाएं रखने में गंभीर समस्या न उत्पन्न हों। श्रम दान कार्यक्रम में खंड बिकास अधिकारी कोरांव धीरेंद्र सिंह यादव, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मानस राठौर, ग्रामीण और अभियंता यज्ञ नारायण, तकनीकी सहायक ज्ञानेंद्र सिंह, कमलाकर पांडे, राम सजीवन, नागेंद्र मिश्रा , तथा क्षेत्र के ग्राम पंचायत अधिकारी गण एवं रोजगार सेवक सहित ब्लॉक के सफाई कर्मचारी भी उपस्थित देखे गए।

बोले ग्राम प्रधान लीडर-

सरकार के मुखिया और डीएम तथा सीडीओ साहब से आग्रह है कि लपरी नदी की तरह सीवटी,तुण्डियारी नदी नालों को जिन जिन ग्राम पंचायतों के क्षेत्र में से गुजरती हैं,उन ग्राम पंचायतों को भी मनरेगा योजना से नदियों की साफ सफाई मरम्मती करण के लिए अनुमति दे कर वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जाए जिससे लघु नदियों का अस्तित्व बचा रहे और जल स्तर में वृद्धि हो।

अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजाद

करंट से राष्ट्रीय पक्षी मोर-मोरनी की मौत

झूंसी। थाना क्षेत्र के मुंशी का पूरा गाँव में राष्ट्रीय पक्षी मोर और मोरनी की करंट से मौत हो गई। ग्रामीणों ने मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस के साथ वन विभाग को दी। वन कर्मियों ने दोनों का पोस्टमार्टम करा कर दफना दिया। बताया जाता है कि बुधवार की शाम मुंशी का पूरा गांव में बिजली के पोल पर बैठे मोर मोरनी का जोड़ा अचानक नीचे गिर पड़ा ग्रामीणों ने पानी पिलाया लेकिन दोनों की मौत हो गई। किसी ने पुलिस के साथ वन विभाग के दरोगा शैलेंदर चौधरी को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे वन विभाग के दरोगा ने दोनों राष्ट्रीय पक्षियों के शव को पोस्टमार्टम कराया।

केंद्र सरकार की चलाई गई योजनाएं आज धरातल पर दिखाई पड़ रही है : डॉ. रीता बहुगुणा

अखंड भारत संदेश

जसरा। बुधवार को केंद्र सरकार के द्वारा गांव के विकास के लिए जहां कड़े कदम उठाए गए हैं वहीं पर योजना की बिचौलियों को भी बाहर करने का कड़ा कदम उठाया गया है। उक्त बातें प्रयागराज की सांसद डॉ० रीता बहुगुणा जोशी ने जसरा बाजार में व्यापारियों को संबोधित करते हुए कही। प्रयागराज सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने पर आज लोगों के बीच में केंद्र सरकार द्वारा किए गए विकास की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दिया तथा सरकार के 9 साल की उपलब्धियों के पत्रक भी लोगों को सौंपा । बुधवार जसरा बाजार में सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी ने शशि केसरवानी तथा शत्रुघ्न लाल केसरवानी के आवास पर व्यापारियों को एकत्रित करके सरकार की उपलब्धियां गिनाई। इस अवसर पर उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार की चलाई गई योजनाएं आज धरातल पर दिखाई पड़ रही हैं । सरकार ने योजनाओं के बीच में खड़े होने वाले बिचौलियों को बाहर का रास्ता दिखाया है । हर योजना मूर्त रूप में लोगों तक पहुंच रही है । इस अवसर पर व्यापार मंडल से जुड़े लोगों ने जसरा में नाली की समस्या के साथ काशी ट्रेन की ठहराव का मांग भी सांसद से उठाया जिसे सांसद जल्द ही पूरा करने का आश्वासन भी दिया। सांसद ने देश के विकास के लिए व्यापार मंडल के जुड़े लोगों से सरकार के हाथों को मजबूत करने की अपील किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संत प्रसाद पांडे ,विजय पुरुस्वानी, जगत नारायण शुक्ला, जिला सहकारी बैंक के डायरेक्टर अनिल मिश्र, आनंद कुमार, शशि केसरवानी, शत्रुघ्न लाल बाबा, सुरेन्द्र कुमार केसरवानी, सचिन श्रीवास्तव, शंकरलाल गुप्ता, मोहन यादव सहित कई दर्जन लोग उपस्थित रहे।

पहली ही बारिश में गंदगी व कीचड़ से ग्रामीण परेशान

अखंड भारत संदेश

सिरसा। मेजा क्षेत्र ब्लाक उरुवा के अंतर्गत गांवो का हालात बारिश के मौसम में पहली ही बारिश में गंदगी और कीचड़ से ग्रामीण परेशान नजर आ रहे है।लेकिन झमाझम बारिश का दौर शुरू होते हुए ग्रामीणों के लिए मुसीबतें बढ़ गई हैं। हालात यह हैं कि गांवों में कच्चे रास्ते होने के कारण लोगों का पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों को कीचड़ भरे रास्ते पर आवागमन करना पड़ रहा है। जिन गांवों में कच्चे रास्ते हैं उन गांवों में ग्रामीणों अपने घरों में कैद नजर आने लगे हैं। कीचड़ भरे रास्तों पर वाहनों के फंस जाने की शिकायतें भी सामने आने लगी हैं। जिससे लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन पंचायत के द्वारा रास्ते पर पानी की निकासी की व्यवस्था नही होने से सड़क कीचड़ के अंदर पूरी तरह से डूब चुकी हैं। ऐसे में लोगो को पैदल और वाहन को निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार तो लोग कीचड़ सने हुए रास्ते मे गिर जाते हैं जिस वजह से उन्हें चोट तो आती हैं। कपड़े भी खराब हो जाते है। कई ग्रामपंचायतों में देखा जाय तो सड़क का निर्माण करीब एक साल पहले करवाया था लेकिन आसपास के घरों और खेतों से आने वाला पानी सड़क पर इस कदर जमा हुआ है। कि देखने पर ऐसा लगता ही नही की यहाँ साल भर पहले सड़क का निर्माण हुआ हो। पैदल निकलने पर लोगो के पैर घुटने तक दुब जाते हैं। सभी ग्रामीणों का कहना है कि यह हालत अतिक्रमण और पानी की निकासी की व्यवस्था नही करने की वजह से हुए है। जिला शासन और प्रशासन बारिस को देखते हुए गांवो पर ध्यान नही दिया गया तो आने वाले समय मे कितने गरीब का कच्ची मिट्टी का बना हुआ घर बारिस के पानी के जमाव से गिर सकता है। दूषित पानी और कीचड़ से फैल रहे संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए अधिकारियों ने ग्रामपंचायतों में नालियों और जलभराव की समस्या को दुरुस्त करने के लिए सख्त निर्देश दिए थे। लेकिन जिम्मेदारी अधिकारियों ने इस कार्य में भी लापरवाही कर दी। कागजों में नाली व नालों की सफाई हो गयी हैं। जलभराव की समस्या से निजात दिला दी गयी हैं। लेकिन अब भी इस समस्या से ग्रामीण लोग जूझ रहे हैं। उरुवा ब्लाक के गांवों में नालियां चोक हैं और सड़क पर जल जमाव की समस्या बनी हैं।

बारिश से सड़क लबालब घरों में घुसा पानी

जसरा। क्षेत्र के एक गांव में बारिश के बाद एक ओर जहां गांव की सड़क पर पानी भर गया वहीं ग्रामीणों के घरों में पानी घुस गया जिससे लोग परेशान हैं। बुधवार को सुबह जसरा क्षेत्र में तेज बारिश हुई लगभग एक घंटे की बारिश में ही गांव की सड़क पानी से डूब गए तथा घरों में पानी भर गया। तातारगंज गांव में नालियां चोक होने के कारण घरों में गांव की सड़कें तालाब में बदल गए लोगों को घर से बाहर निकलने में भी परेशानी का सामना करना पड़ा घुटनों भर पानी में लोग किसी तरह से घर से बाहर अपना जरूरी काम निपटा रहे हैं।वही बच्चो को पानी से गुजर कर स्कूल जाना पड़ रहा है। गांव के अशोक पाठक, रमाशंकर दुबे, महादेव ,सुनील, सोनू प्रजापति ,गंगा प्रसाद ,सुभाष आदि ग्रामीणों के घरों में बरसात का पानी घुस गया जिससे लोग परेशान हैं ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से गांव के अंदर भरे पानी को निकलवाने की मांग की है।जिससे लोगों का निकलना सम्भव हो सके।

उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति की हुई समीक्षा बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) की प्रथम उपसमिति के प्रथम अध्ययन दल की समीक्षा बैठक बुधवार को सर्किट हाउस के सभागार में मा0 समिति के संयोजक श्री जय कुमार सिंह ह्यह्यजैकीह्लह्ल की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में समिति के सदस्य प्रभात कुमार वर्मा, राहुल राजपूत (राहुल लोधी), श्रीमती सरिता भदौरिया, देवेन्द्र निम, किरत सिंह, जितेन्द्र सिंह सेंगर, डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह, संग्राम सिंह एवं महेन्द्र नाथ यादव उपस्थित रहे। बैठक में समिति के संयोजक व सदस्यों द्वारा प्रयागराज सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लि0, प्रयागराज स्मार्ट सिटी लि0, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि0, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, उ0प्र0 राज्य औद्योगिक विकास निगम लि0, उ0प्र0 पर्यटन विकास निगम लि0, उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कार्पोरेशन लि0, प्रयागराज मण्डल विकास लि0, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0, उ0प्र0 राज्य सेतु निगम लि0, उ0प्र0 जल निगम लि0, समाज कल्याण विभाग, उ0प्र0 लघु उद्योग निगम लि0, महिला कल्याण विभाग आदि कार्यशील उपक्रम/निगम के जनपद स्तरीय विभागीय अधिकारियों के साथ उक्त निगमों के द्वारा विगत पांच वित्तीय वर्षों में कराये गये निर्माण कार्यों/योजनाओं की विस्तार से बिंदुवार समीक्षा की गयी। संयोजक महोदय ने समीक्षा बैठक से अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगे जाने के लिए कहा है।बैठक में स्मार्ट सिटी के तहत कराये जा रहे कार्यों से सम्बंधित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए संयोजक महोदय एवं सदस्यगणों ने स्मार्ट सड़क, वाटर ट्रीटमेंट व रिसाइकिलिंग प्लांट, स्मार्ट क्लास रूम, पब्लिक बाईक शेयरिंग, स्मार्ट सिटी मिशन के तहत शामिल स्कूलों में खेल सुविधाएं, लाइट एण्ड साउण्ड शो, बस शेल्टर, ग्रीन स्पेस डेवलपमेंट, डिजिटल लाइब्रेरी, पेंट माई सिटी आदि कार्यों की समीक्षा करते हुए स्मार्ट सड़क की ड्रेनिंग, डिजाइनिंग, प्लानिंग व अभी तक कितना कार्य हुआ है, आदि की विस्तार से जानकारी ली एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग को स्मार्ट सिटी के तहत सम्मिलित करने के निर्देश दिए है। संयोजक महोदय के द्वारा पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के अधिकारियों से अविद्युतिकृत ग्रामों में विद्युतिकरण का कार्य तथा गरीब परिवारों को निःशुल्क विद्युत संयोजन हेतु सौभाग्य योजना की प्रगति, 1 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामों में जर्जर तारों को ए0बी0सी0 केबिल से बदले जाने का कार्य, ग्रामीण क्षेत्रों में उपक्रेन्दों की क्षमतावृद्धि व विद्युत के सुदृढ़ीकरण आदि कार्य की समीक्षा करते हुए उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों से जानकारी ली कि कितनी ऐसे जगहें है, जहां पर विद्युत आपूर्ति की क्षमता के सापेक्ष अत्यधिक लोड व कनेक्शन है एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु किए जा रहे उपायों की जानकारी ली। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों से कहा कि जनता से जुड़े हुए प्रकरणों पर जनप्रतिनिधियों से अवश्य सलाह लेकर ही कार्य करें। उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0 के कार्यों की समीक्षा करते हुए संयोजक महोदय ने सम्बंधित अधिकारियों को प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय में निर्माण कार्यक्रम कब प्रारम्भ हुआ, कब तक पूरा होना था, कार्य की प्रगति धीमी होने के कारण, इस्टीमेट रिवाईज हुआ या नहीं, की जानकारी लेते हुए वहां पर कराये जा रहे कार्यों का समिति के सदस्यों को भौतिक निरीक्षण कराये जाने के लिए कहा है। संयोजक महोदय ने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर से योजना से सम्बंधित कराये जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए हर घर नल जल योजना के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने के लिए कहा। उन्होंने एक गांव जिसमें कनेक्शन का कार्य पूर्ण हो चुका हो तथा जलापूर्ति चालू हो चुकी हो, उसका भौतिक निरीक्षण कराने एवं जिन स्थानों पर खुदायी का किया गया है, उनका पुनः निर्माण कराने के लिए कहा है। संयोजक महोदय ने कहा कि आज बैठक में जिन बिंदुओं पर चर्चा की गयी है, उन्हें वास्तविक रूप में गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समयान्तर्गत धरातल पर उतारें। उन्होंने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य जनकल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक योजनाएं समय से गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण हो तथा जिन योजनाओं/निर्माणकार्यों में कठिनाई आ रही है, उन्हें जनप्रतिनिधियों व उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर समाधान कराते हुए कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करायें। इस अवसर पर जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, अपर नगर मजिस्टेट प्रथम गणेश कनौजिया व सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हंडिया में गंगा में डूबी महिला

मवेशी चराने के समय घाट पर बैठी, पैर फिसलने से डूबी, तलाश जारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। हंडिया कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ढोकरी कछार मे भैंस चराने के लिए गई एक महिला नदी में डूब गई। साथ में भैंस चरा रहे लोगों ने घटना की जानकारी तत्काल ग्रामीणों को और पुलिस को दिया। इसके बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ग्रामीणों और गोताखोरों के माध्यम से महिला की तलाश में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार, अनीता देवी पत्नी मदनलाल (50) वर्ष जो कि मंगलवार को भैंस चराने के लिए ढोकरी कछार में गई हुई थीं। गंगा के तट पर बैठी हुई थीं। इन दिनों गंगा नदी में बढ़ रहे जलस्तर के कारण कटान होने के कारण मिट्टी का टीला ढहने से मिट्टी के साथ महिला गंगा नदी में गिर गईं। साथ में भैंस चरा रहे लोगों ने घटना की जानकारी ग्रामीणों को और पुलिस को दिया। इसके बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ग्रामीणों और गोताखोरों के माध्यम से महिला की तलाश में जुटी हुई है। अभी तक महिला का कोई पता नहीं चल पाया है।

कर्नलगंज में नवविवाहिता ने किया सुसाइड

अखंड भारत संदेश

फरवरी में हुई थी शादी, पति संग कर रही थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी

प्रयागराज। कर्नलगंज इलाके में पति के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही एक नवविवाहिता ने जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड कर लिया। उसके मायके वालों ने दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए 5 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। दूसरी तरफ पति का कहना है। कि उन दोनों के बीच बेहतर संबंध था। 27 जून को वह दोनों बीडीओ का एग्जाम देने के लिए साथ में ही कानपुर गए थे। एग्जाम देकर लौटे थे। पेपर गड़बड़ होने की वजह से उसकी पत्नी डिस्टब्ब थी। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रयागराज नगर के नया कटरा कर्नेलगंज निवासी रविशंकर पांडेय ने अपनी बेटी आकांक्षा पांडेय उर्फ मोना (28) की शादी 7 फरवरी 2023 को क्षेत्र के काटजू कॉलोनी निवासी शुभम त्रिपाठी के साथ की थी। आकांक्षा पांडेय और शुभम त्रिपाठी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते थे। घरवालों ने बताया कि दोनों ने बीडीओ का फॉर्म भरा था। जिसका 27 , 28 जून को एग्जाम था। दोनों का सेटर कानपुर गया था। दोनों साथ में एग्जाम देने गए थे। वहां से साथ आए भी। सब कुछ घर म्में ठीक था। वह एलएलबी कर रही थी। इस समय एलएलबी का एग्जाम चल रहा है। आज अचानक आकांक्षा पांडेय ने जहरीला पदार्थ खा लिया। उसकी हालत बिगड़ी तो परिवार के लोग नजदीकी अस्पताल ले गए। जहां से स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। स्वसरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में इलाज के कुछ देर बाद ही आकांक्षा की मौत हो गई। आकांक्षा पांडेय के भाई अखिल कुमार पांडेय ने बताया कि शादी में हैसियत से ज्यादा दान दहेज देने के बावजूद आकांक्षा के ससुराल वाले दहेज की डिमांड कर रहे थे। उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। जिससे वह बहुत डिस्टर्ब थी। अखिल पांडेय ने पति, ससुर, सास समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर कर्नलगंज राममोहन राय ने बताया कि विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड किया है। भाई की तहरीर पर 5 लोगों के खिलाफ एफ आइ आर दर्ज कर ली गई है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत निःशुल्क कोचिंग कक्षाओं में प्रवेश हेतु अभिलेख जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में करें जमा

प्रयागराज। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत राजकीय इण्टर कालेज निकट मेडिकल चैराहा में संचालित यू0पी0एस0सी0/यू0पी0पी0एस0सी 0, जे0ई0ई0/नीट की निःशुल्क कोचिंग कक्षाओं एवं डॉ0 भीमराव अम्बेडकर छात्रावास चांदपुर सलोरी में संचालित एन0डी0ए0/सी0डी0एस0 की निःशुल्क कोचिंग की कक्षाओं में अधिकतम छात्र-छात्राओं के प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन पत्र कार्यालय, जिला समाज कल्याण अधिकारी, विकास भवन में दिनांक 06 जुलाई से 15 जुलाई, 2023 तक पूर्वान्ह 10:00 बजे से अपरान्ह 04:00 बजे तक शैक्षिक एवं अन्य वांछित अभिलेखों की स्वप्रमाणित छायाप्रतियों के साथ जमा कर सकते है। कक्षाओं में प्रवेश हेतु मेरिट के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। यह जानकारी जिला समाज कल्याण अधिकारी ने दी है।

मायके गई पत्नी झगड़ा करके तो पति ने दी जान

अखंड भारत संदेश

पड़ोस में रहने वाले चाचा ने लटका हुआ देखा शव तो बुलाई पुलिस

प्रयागराज। कीडगंज थाना अंतर्गत में पत्नी के मायके जाने से दुखी युवक ने आत्महत्या कर ली। बुधवार दोपहर बाद उसके चाचा ने अपने छत से उसको फंदे पर लटके हुए देखा, तब घटना की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस पहुंची और लाश को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया कीडगंज थाना अंतर्गत इंद्रपुरी कॉलोनी बैरहना निवासी विशाल कुमार (28) पुत्र सतीश कुमार दो भाइयों में बड़ा था। उसकी शादी सुंदरम गेस्ट हाउस बैरहना की रहने वाली बेबी के साथ हुई थी। उसके दो बेटियां हैं। वह प्राइवेट काम करता था। भाई गोलू ने बताया कि दो-तीन दिन से पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो रहा था। इसी नाराजगी में मंगलवार को बेबी अपनी दोनों बेटियों को लेकर अपने मायके बैहराना चली गई थी। जिससे विशाल डिस्टर्ब था। घर में वह अकेला था। उसका भाई और मां पड़ोस में रहते हैं। रात में ही विशाल दूसरे तल पर लगे तीन शेड के लोहे के एंगल में चादर के फंदे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार को दोपहर पड़ोस में रहने वाले चाचा अपनी छत पर चढ़े तो विशाल को फंदे से लटका देखा। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। घरवाले तब तक विशाल को फंदे से नीचे उतार चुके थे। छानबीन की गई। जानकारी होने पर पत्नी भी बेटियों के साथ रोते बिलखते हुए मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर कीडगंज राममूर्ति यादव ने बताया कि पारिवारिक कलह से विशाल परेशान था। उसकी पत्नी मायके चली गई थी। जिसकी वजह से वह ज्यादा डिप्रेशन था।

युवती को नशीला पदार्थ खिलाकर किया दुराचार बनाया वीडीओ

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। युवक ने धोखे से युवती का मोबाइल नंबर लेकर उससे बातें करने लगा और शादी का झांसा देकर उसे नशीला पदार्थ खिला कर दुराचार करते हुए वीडीओ बना लिया। आरोप है कि वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए एक साल तक बलात्कार करता रहा। जब शादी के लिए युवती ने दबाव बनाया तो कार एक लाख की मांग युवक और उसके परिजन करते हुए मार पीट कर खदेड़ दिए। पीडिता ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर दुराचारी युवक, उसकी माता, पिता, भाई, के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है। मिली जानकारी के अनुसार प्रतापगढ़ के ग्राम वजीरपुर हथिगहां निवासनीय एक युवती का आरोप है कि वह अपनी बडी बहन मऊआइमा के ग्राम उमरिया बादल उर्फ गेंदा(जयसिंह का पूरा) आयी थी। आरोप है कि गांव का एक युवक उसका मोबाइल नंबर धोखे से लेकर बातें करने लगा। मना करने पर कहा कि वह उससे बहुत प्यार करता है और तुम बातें नहीं करोगी तो अपने हाथ की नस काट कर तेरी याद में जान दे दूंगा। युवती का आरोप है कि जब वह परिजनों को लेकर युवक के घर पहुंच कर शिकायत करने गयी तो परिजनों ने कहा कि तुम शादी कर लो। बेटी बना कर रखेंगें। । आरोप है कि युवती का पूरा परिवार झांसे में आ गया। एक दिन युवक ग्राम वजीरपुर थाना हथिगहां प्रतापगढ़ पहुंच कर उसे शनिदेव का दर्शन कराने के बहाने अपने घर पर लाया और नशीली पदार्थ खिला कर दुराचार करते हुए वीडीओ बना कर ब्लैकमेल करते हुए एक साल तक आबरू लूटता रहा। पुलिस मुकदमा दर्ज कर पीडिता को मेडिकल चेकअप के लिए भेज दी है तथा आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

शंशाक जैन बने सिविल लाइन व्यापार मण्डल के कोषाध्यक्ष

प्रयागराज। सिविल लाइन व्यापार मंडल की एक बैठक सिविल लाइन स्थित कार्यालय पर सम्पन्न हुई। व्यापार मंडल अध्यक्ष सुशील खरबंदा ने बताया कि पूर्व में अमित अग्रवाल और हर्षित अग्रवाल द्वारा सिविल लाइंस व्यापार मंडल के लेखा जोखा का कार्य कोषाध्यक्ष के रुप में कुशलता पूर्वक किया जा रहा था । किन्तु दोनो सदस्यों ने व्यापरिक व्यस्त के कारण कोषाध्यक्ष के पद से मुक्त होने कि इच्छा प्रकट किया था जिसे स्वीकार करते हुए उन्हें पदमुक्त किया जाता है। साथ ही बैठक में उपस्थित व्यापारियों ने सर्वसम्मति से शशांक जैन को व्यापार मंडल का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। शंशाक जैन कोषाध्यक्ष नियुक्ति होने पर व्यापारियों ने खुशी वक्त करते हुए अपनी ओर से बधाई देते हुए, उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से अध्यक्ष सुशील खरबंदा, महामंत्री शिवशंकर सिंह, प्रयाग सराफा ऐशोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश सिंह, संजय गुप्ता, डा० सुभाष यादव, आशीष अरोड़ा, इंदर मध्यान समेत बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

श्रृंगवेरपुर श्रीराम घाट पर मां गंगा की उतारी गई भव्य आरती

अखंड भारत संदेश

श्रृंगवेरपुर। जय श्रीराम सेवा समिति के तत्वावधान में सावन माह के प्रथम दिवस श्रृंगवेरपुर स्थित श्रीराम घाट पर भव्य आरती का आयोजन किया गया। समिति के पदाधिकारी, तीर्थ पुरोहितों और क्षेत्रीय लोगों ने मां भगवती गंगा की महाआरती उतार पूजन अर्चन किया। तीर्थपुरोहित एवं वेद आचार्यो ने विधि विधान से गंगा पूजन एवं आरती करवाई। भगवती गंगा के जयकारे और जय श्रीराम के जयकारे से श्रृंगवेरपुर धाम गुंजायमान हो उठा। समिति के अध्यक्ष संजय तिवारी ने महा आरती में प्रतिभाग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। वहीं श्रृंगवेरपुर स्थित श्रीराम घाट पर कांवरियों कु सुविधाओं के लिए पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की गई व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों और सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन अरुण द्विवेदी ने किया। इस दौरान पूर्व चेयरमैन प्रदीप केशरवानी, पंडित बलराम शुक्ल, संतोष शुक्ल, पूर्व प्रधान रामचंद्र यादव (फौजी), आकाश त्रिपाठी, पंडित वैभव मिश्र, अजय सरोज, राकेश सरोज, तीर्थपुरोहित शारदा त्रिपाठी, पप्पू त्रिपाठी आदि लोग प्रमुख रुप से उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

यूनाइटेड के छात्र का ऑस्ट्रेलिया की डीकिन यूनिवर्सिटी ने मास्टर डिग्री के लिए किया चयन

नैनी। नैनी यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (यूजीआई) नैनी के मेधावी इंजीनियरिंग छात्र जतिन सिंह का ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित डीकिन यूनिवर्सिटी ने मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए चयन किया है जतिन सिंह यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूआईटी), नैनी की कंप्यूटर साइंस (सीएस) शाखा के 2019-23 बैच के छात्र हैं जतिन ने बताया कि उनका चयन कंप्यूब्रेन, स्किल-वर्टेक्स, दृष्टि आईएएस और एडु-वर्सिटी सहित विभिन्न मल्टीनेशनल कंपनियों में अच्छे पैकेज पर हुआ था लेकिन उन्होंने इंजीनियरिंग में रिसर्च और उच्च डिग्री हासिल करने के लिए अध्ययन जारी रखने का निर्णय लिया। कहा कि डीकिन यूनिवर्सिटी से डिग्री हासिल करना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है जो निश्चित ही उनके कैरियर को नये आयाम देने का काम करेगी इस सफलता के लिए जतिन ने विशेष रूप से यूआईटी के प्रिंसिपल प्रो संजय श्रीवास्तव और सीएस विभाग के प्रमुख अभिषेक मालवीय के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कॉरपोरेट रिलेशन सेंटर (सीआरसी) और कैंपस रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग (सीआरटी) सेल को कौशल विकसित करने में मदद के लिए धन्यवाद दिया जतिन की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए प्रो श्रीवास्तव ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि यूनाइटेड के छात्र दुनिया भर में अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं यूजीआई के प्रेसिडेंट डॉ. जगदीश गुलाटी, वाइस चेयरमेन सतपाल गुलाटी और वाइस प्रेसिडेंट गौरव गुलाटी ने जतिन को उनकी इस सफलता पर शुभकामनाएं दी हैं।

फाफामऊ जंक्शन पर लगा टिन सेट आंधी में उड़ा, नहीं हुआ रिपेयर

फाफामऊ। फाफामऊ रेलवे जंक्शन पर यात्रियों के सुविधा के लिए लगा टिन सेड पिछले महीने आए आंधी में उड़ गया। लेकिन अभी तक उसे पुनः रिपेयर नही कराया गया। जिससे बरसात के समय में जंक्शन पर आने वाले यात्रियों को असुविधा हो रही है लेकिन रेलवे विभाग अभी तक मौन बना है। फाफामऊ रेलवे जंक्शन गंगापार का प्रमुख रेलवे जंक्शन है।सावन माह मे हर रोज हजारों की संख्या में यात्रियों कावड़िया का आना जाना होता है। सरकार ने महाकुंभ को लेकर इस जंक्शन का विस्तारी और सुंदरीकरण के लिए भी बजट पास किया है। पिछले महीने से पहले आए आंधी और तूफान से यात्रियों की सुविधा के लिए जंक्शन के प्रवेश द्वार पर लगा टिन से हवा में उड़ गया और इसे दुबारा रिपेयर नही कराया गया। बरसात के मौसम में यात्रियों को बरसात से बचने के लिए परेशान होना पड़ रहा रहा है। रेलवे विभाग टिन सेड रिपेयर कराने के बजाय मौन बना हुआ है।

संदिग्ध दशा में महिला की मौत

अखंड भारत संदेश

पूर्व प्रधान की मां को ले गए थे अस्पताल, सांप के काटने से मौत की आशंका

मेजा। । मेजा थाना क्षेत्र में पूर्व प्रधान की मां की अचानक तबीयत खराब होने पर रामनगर सीएचसी में दाखिल कराया गया। लेकिन उनकी इलाज के दौरान अस्पताल में ही मौत हो गई। इससे परिवारीजनों में कोहराम मच गया है। परिजन सर्प दंश से मौत की आशंका जता रहे हैं।मेजा थाना क्षेत्र के नीबी गांव के रहने राम छबीले मिश्रा प्रधान रह चुके हैं। उनकी 88 साल की मां शुभवंती देवी बुधवार को भोजन करके चारपाई पर सोने गईं। तभी अचानक उनकी तबियत खराब हो गई। जानकारी पर परिजन उन्हें रामनगर सीएचसी ले जाकर दाखिल कराया। प्राथमिक उपचार चल रहा था कि उनकी इलाज के दौरान ही अस्पताल में मौत हो गई। इसकी सूचना जैसे ही घर पहुंची तो कोहराम मच गया। उधर शव लेकर परिजन घण्टों बाद घर पहुचें। शव घर पहुंचते ही परिजन बिलखने लगे। पूर्व प्रधान ने बताया कि किसी जहरीले सांप के डसने से मौत हो गई। घर के सभी परिजन सर्प दंश से ही मौत की आशंका जता रहे हैं। वहीं रामनगर सीएचसी के अधीक्षक डॉ नीरज सिंह पटेल ने बताया कि वृद्धा की मौत इलाज के दौरान हुई है। उन्होंने भी किसी जहरीले जंतु के काटने से मौत होने की बात कही है।

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती बड़ी मशक्कत के बाद मिली सफलता

अखंड भारत संदेश

केवीएस वाराणसी रेन्ज डा. अनिल कुमार मिश्र को दिया धन्यवाद

प्रयागराज। एक कहावत पूर्वांचल दलित अधिकार मंच (पदम) के संस्थापक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता समाजसेवी आईपी रामबृज पर सटीक लागू होती है कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती, पंख से नही बल्कि हौसलों से उड़ान होती है। बता दे कि आईपी रामबृज की पुत्री एलआर हर्षिता अभी इसी वर्ष सीबीएससी बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त केवीएस न्यू कैन्ट से हाईस्कूल की परीक्षा चौसठ प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण की। केवीएस न्यू कैन्ट की प्रवेश कमेटी के प्रमुख जीएस यादव की लापरवाही से कक्षा ग्यारह में प्रवेश हेतु जो सूची सूचना पट्ट पर 22 मई को चस्पा कर दी गयी थी उस सूची में आईपी रामबृज की पुत्री का नाम पीसीबी वर्ग में था। एक ओर जहां पीसीबी वर्ग के ज्यादातर बच्चे पांच हजार रुपए खर्च कर कॉपी और किताब खरीदकर कोचिंग में नाम भी लिखवा लिये तो वही दूसरी ओर प्रवेश समिति के इंचार्ज ने पीसीबी वर्ग के लगभग दो दर्जन से अधिक बच्चों का नाम विना उन्हें सूचित किये व विना उनके च्वाइस के दो दिन बाद ही 24 मई को दूसरी सूची जारी कर उन्हें वाणिज्य विषय मे डालकर न्यू कैन्ट की प्राचार्या और प्रवेश इंचार्ज 30 मई तक अवकाश पर चले गये जिसपर प्रभावित हो रहे दो दर्जन से अधिक बच्चों के अभिभावक नाराज भी हुये। इन्ही नाराज अभिभावकों में समाजसेवी आईपी रामबृज ने प्राचार्या व प्रवेश समिति के इंचार्ज के खिलाफ केवीएस वाराणसी रेन्ज के डिप्टी कमिश्नर डा. अनिल कुमार मिश्र को मेल और रजिस्टर्ड डाक द्वारा आवश्यक कार्यवाही करने हेतु ज्ञापन भेजा तथा उक्त प्रकरण को प्रिंट मीडिया में भी प्रकाशनार्थ हेतु भेजा। प्रिंट मीडिया ने उक्त प्रकरण को गंभीरता से अपने सम्मानित अखबार के उचित कालामों में जगह दी। आईपी रामबृज ने दूसरे दिन डिप्टी कमिश्नर के मेल आईडी पर पेपरों की कटिंग भेजी तो प्रकरण को गंभीरता से लिया और आईपी रामबृज जब 27 जून को साक्षात डिप्टी कमिश्नर से मिले तो वे स्वयं केवीएस ओल्ड कैन्ट, मनौरी, बमरौली और छ्युकि के प्राचार्य से टेलीफोनिक बात की और केवीएस न्यू कैन्ट से केवीएस एआर फोर्स बमरौली में पीसीबी वर्ग के दस बच्चों को समायोजित किया। उक्त दस बच्चों में आईपी रामबृज ने अपनी पुत्री एलआर हर्षिता का बुद्धवार को पीसीबी वर्ग में प्रवेश दिलाकर डिप्टी कमिश्नर वाराणसी रेन्ज, प्रधानाचार्य बमरौली और उक्त प्रकरण में सहयोग करने वाले प्रिंट मीडिया को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

परियोजनाओं का कार्य गुणवत्तायुक्त एवं निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराएं

समितियों ने जनपद में 5 वर्षो में कराये गये परियोजनाओं के कार्यो की हुई समीक्षा

विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में मौजूद अधिकारीगण।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-23) की प्रथम उप समिति की बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित की गयी है। बैठक में समिति के संयोजक जय कुमार सिंह जैकी एवं समिति के सदस्य डा0 अवधेश सिंह, प्रभात कुमार वर्मा, राहुल राजपूत (राहुल लोधी), सरिता भदौरिया, देवेन्द्र निम, किरत सिंह, नीरज बोरा, अनूप कुमार गुप्ता, जितेन्द्र सिंह सेंगर, डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह, संग्राम सिंह, प्रतीक भूषण सिंह, महेन्द्र नाथ यादव सहित मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया व अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के परियोजना प्रबन्धक/प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ऊर्जा विभाग के विगत 05 वर्षो में कराये गये कार्यो की विस्तृत समीक्षा की गयी जिसमें अधीक्षण अभियन्ता विद्युत ने बताया कि सांसद आदर्श ग्राम योजना के तहत शाहबरी एवं पदमाकरपुर में विद्युतीकृत किया गया है, अनमीटर्ड से मीटर्ड किये गये उपभोक्ताओं की संख्या 109467 है। डीडीयूजीजेवाई योजना में 08 अदद् 33 के0वी0 लाइन का निर्माण व 34 अदद् 11 के0वी0 लाइन का निर्माण किया गया है। समिति के संयोजक ने अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया कि जिन ग्रामों में विद्युतीकरण नही हुआ है वहां पर विद्युतीकरण का कार्य कराया जाये। आवास विकास परिषद् द्वारा जनपद में 05 वर्षो में कराये गये कार्यो की समीक्षा की गयी और बताया गया कि 25 कार्य स्वीकृत थे जिसमें से 14 कार्य पूर्ण हो गये है और 11 कार्य प्रगति पर है। समिति द्वारा निर्देशित किया गया कि अगले महीने में जो भी कार्य प्रगति पर है उन्हें पूर्ण कर लिया जाये। राज्य सेक्टर योजना के अन्तर्गत पर्यटन विभाग द्वारा बताया गया कि जनपद में माँ बेल्हा देवी मन्दिर के घाट का सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन विकास तथा घुइसरनाथधाम में घुइसरनाथ मन्दिर से पुल तक सई नदी पर स्विर फ्रान्ट/रिटेनिंग वाल एवं अन्य अवशेष कार्य कराये जायेगें जिस पर समिति के सदस्य ने निर्देशित किया कि समय सीमा के अन्तर्गत कार्य पूर्ण कराये जायें। यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण इकाई-2 प्रयागराज के परियोजनाओं की समीक्षा में बताया गया कि 25 परियोजनायें स्वीकृत की गयी थी जिसमें से 13 पूर्ण हो गयी है और 10 परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है एवं 02 कार्य स्टे/जमीन की उपलब्धता हेतु बाधित है। परियोजनाओं के कार्य की प्रगति धीमी पाये जाने पर समिति द्वारा निर्देशित किया गया कि कार्य में तेजी लायी जाये। बैठक में यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0 निर्माण इकाई-14 लखनऊ के परियोजना प्रबन्धक अरबिन्द दूबे बिना कारण बताये बैठक में अनुपस्थित पाये गये जिस पर समिति द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये परियोजना प्रबन्धक के विरूद्ध कार्यवाही हेतु पत्र प्रेषित करने का निर्देश दिया गया। जनपद में सेतु निर्माण कार्यो की समीक्षा में बताया गया कि 13 कार्य स्वीकृत हुये थे जिसमें से 02 कार्य पूर्ण हो गये है और 10 कार्य प्रारम्भ है एवं 01 कार्य अनारम्भ है, जिस पर निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत कार्य पूर्ण किये जाये। जल निगम विभाग द्वारा पिछले 05 वित्तीय वर्षो में स्वीकृत परियोजनाओं के सम्बन्ध में बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन लखनऊ द्वारा जनपद हेतु 02 फर्म मेसर्स जेएमसी प्रोजेक्ट इण्डिया लिमिटेड एवं मेसर्स पावर मेक प्रोजेक्ट लिमिटेड को सूचीबद्धत किया गया है। वर्तमान में कुल स्वीकृत 823 नग पेयजल योजनाओं (1788 राजस्व ग्राम) के सापेक्ष 634 नग योजनाओं (1377 राजस्व ग्राम) में कार्य प्रगति पर है, पेयजल योजनाओं के समस्त निर्माण कार्य मार्च 2024 तक पूर्ण किया जाना लक्षित है। जल निगम के अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 62 स्थलों पर खारा पानी प्राप्त हुआ है जिसके तहत अन्य दूसरे स्थानों पर बोरिंग कराकर उनको मीठा पानी उपलब्ध कराया जायेगा। समिति द्वारा निर्देशित किया गया कि हर घर नल योजना के तहत जो भी पाइपलाइन रोड के किनारे गड्ढा बनाकर बिछायी जा रही है, उन गड्ढों को पाइपलाइन बिछाने के तुरन्त बाद उसे दुरूस्त करा दिया जाये इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। समिति द्वारा निर्देशित किया गया कि जल निगम की जो भी परियोजनायें संचालित है और कराये गये कार्यो का प्रमाण पत्र प्रधानों से जो प्राप्त हुआ वह सही नही है इसकी जांच करायी जाये। शासन की योजना के अन्तर्गत जो भी जनपद में कार्य कराये गये है उनकी वास्तविकता की स्थिति क्या है इसकी जानकारी प्राप्त की गयी एवं अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के कार्यो को समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण किया जाये, जो भी कार्य किये जाये गुणवत्तायुक्त हो, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये।

दिल्ली सरकार के पिछड़ा आयोग के सदस्य बने डा0 आनन्द

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकांकर के ब्राह्मौली गांव निवासी डा0 आनन्द प्रकाश पुत्र छोटे लाल विश्वकर्मा वर्तमान समय में दिल्ली विश्व विद्यालय के राजधानी कालेज मे रसायन विज्ञान विभाग मे असिस्टेट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।जो दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ(डूटा) के कार्यकारिणी सदस्य भी है जिनको दिल्ली की सरकार ने अन्य पिछड़ा आयोग (ओबीसी) का सदस्य मनोनीत किया है। डा0 आनन्द प्रकाश की इस नियुक्ति की जानकारी मिलते ही घर के परिजन लोग खुशी से गद गद दिखाई दिये और अपनी खुशी का इजहार करते हुए लोगो को मिठाई खिलाई क्षेत्रीय लोग व इष्ट मित्रो ने फोन पर डा० आनन्द को बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं दिया।

जमीन के कृषक से अकृषक गोलमाल को लेकर वकीलों ने भी खोला मोर्चा

डीएम को संबोधित ज्ञापन देकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की उठाई मांग

अखंड भारत संदेश

तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते लालगंज के अधिवक्ता।

लालगंज, प्रतापगढ़। तहसील के बलीपुर परसन गांव में तिरपन बीघे एकमुश्त जमीन को तहसील प्रशासन द्वारा अकृषक घोषित किये जाने को लेकर दूसरे दिन तहसील में वकीलों ने प्रशासनिक कार्रवाई के खिलाफ आक्रोश जताया है। तीन लोगों की खेती की जमीन को व्यवसायिक घोषित किये जाने को लेकर बुधवार को भी तहसील में माहौल गर्म दिखा।

संयुक्त अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष लाल विनोद सिंह की अगुवाई में वकीलो ने डीएम को संबोधित तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि तत्कालीन उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार ने तालाबी अराजी समेत तिरपन बीघे से अधिक जमीन को बिना जांच पडताल के अकृषक घोषित कर दिया। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि फजीर्वाडे के चलते तालाबी जमीन को भी व्यवसायिक घोषित किया गया है। संघ के उपाध्यक्ष विनोद ने मांग उठाई है कि तत्कालीन एसडीएम व तत्कालीन तहसीलदार को निलंबित कर तालाबी अराजी की जमीन को पूर्ववत बहाल किया जाये। ज्ञापनदाताओं में संतोष पाण्डेय, केके शुक्ला, प्रमोद सिंह, मो. असलम, सिंटू मिश्र, विपिन शुक्ल, धीरेन्द्र मिश्र, घनश्याम मिश्र, हरिश्चंद्र पाण्डेय, घनश्याम संवरिया आदि अधिवक्ता रहे। बता दें इस मामले को लेकर मंगलवार को संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व पूर्व उपाध्यक्ष विपिन शुक्ल द्वारा एसडीएम कोर्ट में वाददायरा दाखिल किया गया है।

पुलिस कन्ट्रोल रुम (वायरलेस) के अधिकारी व कर्मचारी हुए सम्मानित

पुलिस अधीक्षक ने कार्यकुशल अधिकारी व कर्मचारियों को सराहा

अखंड भारत संदेश

एसपी द्वारा सम्मानित पुलिस कन्ट्रोल रुम के अधिकारी व कर्मचारी।

प्रतापगढ़। पिछले नगर निकाय चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने में अहम रोल निभाने वाली पुलिस कन्ट्रोल रुम की कार्य तत्परता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने पुलिस कन्ट्रोल रुम (वायरलेस) के आरआई वरुण प्रताप सिंह, आरएसआई रविकांत श्रीवास्तव, आरएसआई वीरेन्द्र कुमार मिश्रा व आरएसआई देवेन्द्र नारायण मिश्र सहित पुलिस वायरलेस विभाग के समस्त कर्मचारियों को प्रषस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

एसपी ने कहा कि इन्हीं कार्यकुषल अधिकारियों व कर्मचारियों की बदौलत सभी के सहयोग से नगर निकाय के चुनाव पूरे जनपद में सकुषल सम्पन्न हुए, इसमें पुलिस कन्ट्रोल रुम की अहम भूमिका है। बताया जाता है कि चुनाव ड्यूटी के समय कार्यो की अधिकता में कर्मचारी आधी-आधी रात तक कार्य करते रहे हैं। बता दें कि इनमें से आरएसआई रविकांत श्रीवास्तव अपनी कार्यकुषलता के कारण पहले भी सम्मानित हो चुके हैं। बता दें कि पुलिस अधीक्षक एक सख्त पुलिस अधिकारी हैं लेकिन वह कर्मठ व ईमानदार पुलिस अधिकारियों को हमेषा प्रोत्साहित करते हैं। इससे ईमानदार व मेहनत से कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को मनोबल बढ़ता है और बेहतर कार्यषैली सामने आती है।

तीसरे दिन डीएलएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में 975 रहे अनुपस्थित

अखंड भारत संदेश

परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते डायट प्राचार्य व डीआईओएस।

प्रतापगढ़। डीएलएड (बीटीसी) प्रषिक्षण प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के तीसरे दिन पहली पाली में हिन्दी, द्वितीय पाली में संस्कृत/उर्दू और तृतीय पाली में कम्प्यूटर की परीक्षा हुई। हिन्दी की परीक्षा में प्रथम पाली में 06 परीक्षा केन्द्रों पर हुई परीक्षा में 2385 परीक्षार्थियों में 325 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली की संस्कृत/उर्दू की परीक्षा में 2407 परीक्षार्थियों में 324 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे तथा तृतीय पाली में कम्प्यूटर की परीक्षा में 2362 परीक्षार्थियों में 326 अनुपस्थित रहे। शहर में पांच परीक्षा केन्द्र राजकीय इंटर कालेज, राजकीय बालिका इंटर कालेज, केपी हिन्दू इंटर कालेज, अबुल कलाम आजाद इंटर कालेज तथा प्रतापगढ़ सिटी के प्रताप बहादुर इंटर कालेज में डायट प्राचार्य अषोक कुमार सिंह व जिला विद्यालय निरीक्षक सरदार सिंह ने निरीक्षण किया। यहां परीक्षा सुचारु रुप से होती हुई पाई गई। इस प्रकार डीएलएड (बीटीसी) प्रषिक्षण प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के तीसरे दिन 975 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाये गये।

साईं दरबार में बाबा की झांकियों को देखकर मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

विशाल भंडारे में हजारों ने लिया प्रसाद

अखंड भारत संदेश

विशाल भण्डारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु।

प्रतापगढ़। साईं दर्शन मंदिर बलीपुर में आयोजित साईनाथ महोत्सव में ज्ञान और भक्तों की धारा प्रवाहित होती रही। आयोजन के अंतिम दौर में देर रात तक झांकियों और प्रवचन का कार्यक्रम चलता रहा। शाम पांच बजे से लेकर रात के 12 बजे तक हजारों लोगों ने विशाल भंडारे में महाप्रसाद लेकर भक्त की ऊर्जा प्राप्त की।

विशाल और साथी कलाकारों ने राधा-कृष्ण गौरा पार्वती सुदामा समेत अन्य प्रसंगों पर प्रेरणादायक कार्यक्रम प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। प्रवचन करते हुए गायत्री परिवार के साधक आचार्य विजय कांत तिवारी ने कहा कि जीवन में गुरु की महत्ता सभी से बढ़कर है। इस संसार में कुछ नहीं है केवल धोखा ही धोखा है। वास्तविकता का ज्ञान गुरू ही कराते हैं। इस अवसर पर साईं नारायण संस्थान के अध्यक्ष शैलेंद्र नाथ ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन सामाजिक सरोकार के लिए हर साल किया जाता है। इसमें जन-जन की सहभागिता ही इसकी विशेषता है। कार्यक्रम में नगर पालिकाध्यक्ष हरि प्रताप सिंह, वरिष्ठ नेता गिरधारी सिंह, पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत प्रमोद मौर्य, भाजपा नेता शिव प्रकाश सेनानी और देश सेवक डब्बू सिंह, विष्णु खंडेलवाल समेत कई विशिष्ट लोग पहुंचे। इस अवसर पर रोशनलाल उमरवैश्य, संतोष त्रिपाठी, सीएम त्रिपाठी, विजय कुमार शुक्ल, दिनेश सिंह दिन्नू, सुरेंद्र प्रताप सिंह, गिरधर सिंह, अजीत प्रताप सिंह, रामराज तिवारी, चंद्रमौलि सिंह, संजय खंडेलवाल, देवव्रत मिश्रा, शिवेंद्र नाथ, उत्कर्ष मिश्रा, शनिव्रत, देवेश सिंह, रिषभ सिंह समेत साईं भक्त मौजूद रहे।

मंदिर स्थापना पर हुआ भण्डारा, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय ब्लाक परिसर में शिव मंदिर स्थापना उत्सव पर बुधवार को सामूहिक हवन पूजन में श्रद्धालुओं का समागम दिखा। श्रद्धालुओं ने ब्लाक प्रमुख अमित सिंह पंकज की अगुवाई में भगवान शिव का रूद्राभिषेक किया। इसके बाद स्थापना उत्सव को लेकर हुए भण्डारे मे देर शाम तक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का संयोजन एडीओ पंचायत आद्या प्रसाद द्विवेदी ने किया। इस मौके पर चंद्रमौलि सिंह, अंकुर पाण्डेय, प्रीतेन्द्र ओझा, उधम सिंह, दिनेश सिंह, बृजेश सिंह, प्रभात, मुरलीधर तिवारी, संतोष सिंह आदि रहे।

मौसम, आधीं तूफान की सटीक जानकारी के लिये डाउनलोड करें सचेत एपः डीएम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव ने जनसामान्य से अपील करते हुये कहा है कि खराब मौसम में आकाशीय बिजली गिरने/वज्रपात की घटनायें घटित होने की सम्भावनायें काफी बढ़ जाती है जिसमें जनहानि एवं पशु हानि व मकान क्षति तथा व्यक्ति के घायल होने की घटनायें प्रायः होती है। ऐसे में यह आवश्यक है कि आकाशीय बिजली से बचने के उपायों को अपनाया जाय ताकि वज्रपात से जनहानि न होने पाये।

उन्होंने कहा है कि जनसामान्य अपने मोबाइल में मौसम विज्ञान विभाग भारत सरकार द्वारा विकसित दामिनी एप एवं सचेत एप डाउनलोड करें जिससे वज्रपात की पूर्व सूचना मिल सके और वज्रपात से बचा जा सके। उन्होने बताया है कि प्रतिवर्ष वज्रपात से बड़ी संख्या में जनहानि व पशु हानि होती है तथा इन्फास्ट्रक्चर को भी भारी नुकसान पहुँचता है। वज्रपात से कम से कम क्षति हो इसके लिये प्रभावी व्यवस्था को अपनाने के साथ ही अधिसूचित आपदाओं की पूर्व चेतावनियों एवं अलर्ट को आम जनमानस तक

वज्रपात से बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी

समय से पहुँचाकर आपदा को कम किया जा सकता है। इसलिये स्वयं के मोबाइल में दामिनी एप डाउनलोड करने के साथ ही जनसामान्य को इस अति उपयोगी दामिनी एप के बारे में बताये जिससे वज्रपात की पूर्व चेतावनी व अलर्ट अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच सके तथा वज्रपात से होने वाली क्षतियों को न्यूनीकृत किया जा सके। मौसम की पूर्ण जानकारी हेतु सचेत एप डाउनलोड करें जिससे मौसम की जानकारी एवं विभिन्न आपदाओं की जानकारी व एडवाइजरी भी प्राप्त हो सके व चेतावनी मिलती रहे। वज्रपात से बचने के लिये पेड़ों के नीचे, मोबाइल टावर व ऊंचे मकान के नीचे शरण न लें। बच्चों को बाहर न खेलने दें, लोहे की खिड़की, दरवाजे व हैण्डपम्प आदि को न छुएं। धातु से बने छाते का प्रयोग न करें, लैण्डलाइन एवं बिजली के उपकरणों का उपयोग न करें, ,खुले वाहनों में सवारी न करें, बचाव के लिये जमीन पर न लेटे तथा तैराकी या नौकायन न करें। उन्होंने कहा है कि यदि मौसम खराब हो तो तुरन्त किसी पक्के घर में शरण लें, आसपास सुरक्षित स्थान न होने पर दोनो कानों को बंद कर पैरों को सटा लें तथा घुटनों का टेक लेकर उकडू बैठ जायें। घरों में विद्युत उपकरणों को प्लग से अलग कर दें। यदि खेतों में है तो तुरन्त सूखे स्थान पर चले जाये। हाईटेंशन तारों, पोखरो, बिजली के खम्भो तथा कटीले तारों से दूर रहे। उन्होने बताया है कि वज्रपात से कम से कम क्षति हो इसके लिये प्रभावी व्यवस्था को अपनाने के साथ ही अधिसूचित आपदाओं की पूर्व चेतावनियों एवं अलर्ट को आम जनमानस तक समय से पहुँचाकर आपदा को कम किया जा सकता है। दामिनी ऐप लगभग 20 से 40 किमी के क्षेत्र में सम्भावित लाइटनिंग अलर्ट का नोटिफिकेशन प्रेषित करता है जिससे व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचने तथा बचाव का अवसर प्राप्त हो सकेगा।

पशुओं में लम्पी स्कीन बीमारी होने पर दें जानकारी

प्रतापगढ़। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 बी0एस0 यादव ने आमजन मानस से अपील करते हुये कहा है कि कतिपय क्षेत्रों में कुछ पशुओं में लम्पी स्कीन बीमारी होने के कारण शरीर पर छोटे-छोटे गॉठ व तेज बुखार, पशुओं का खाना पीना बंद हो जाना इत्यादि लक्षण पाये जा रहे है। मूल रूप से यह वायरस जनित रोग है जो विशेष प्रकार की मक्खी के काटने से होती है। यह बीमारी जुनोटिक नही है यानि कि पशुओं से मनुष्यों में नहीं फैलती है। उन्होने बताया है कि जहां पर भी पशु रखे जाये वहॉ पर विशेष रूप से साफ-सफाई, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव तथा जल भराव न होने पाये पर ध्यान दिया जाये।

विहिप के ब्लाक उपाध्यक्ष की मौत पर लोगों ने जताया शोक

पट्टी, प्रतापगढ़। ब्लड कैंसर से बाबा बेलखरनाथ धाम के विश्व हिंदू परिषद प्रखंड के ब्लॉक उपाध्यक्ष की मौत हो गई। सोभनाथ यादव पुत्र सुखराम यादव काफी दिनों से ब्लड कैंसर से पीड़ित थे बीते एक पखवारे से वह अस्पताल में भर्ती थे।

संचारी रोग नियंत्रण को लेकर निकाली गई जन जागरुकता रैली

अखंड भारत संदेश

सीएचसी केंद्र से निकलती जन जागरुकता रैली

पट्टी, प्रतापगढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाबा बेलखरनाथ धाम में संचारी रोग नियंत्रण को लेकर जन जागरूकता अभियान रैली निकाली गई जिसे अधीक्षक डा. आरिफ हुसैन ने झंडी दिखाकर रवाना किया। जन जागरुकता रैली करनपुर खूझी, शीतलागंज बाजार, जगदीशगढ़ चैराहे तक निकाली गई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को जल जमाव कूलर में पानी जमा न होने दें आसपास गंदगी न फैलने पाएं बुखार होने पर नजदीकी सरकारी अस्पताल में अच्छे डाक्टर से इलाज कराएं। इस दौरान बीपीएम लोकेश कुमार श्रीवास्तव, डाक्टर अभिजीत, फार्मासिस्ट उमेश मौर्य, बीसीपीए रेखा सरोज, सुशील तिवारी के अतिरिक्त स्टाफ नर्स, एएनएम, संगनी, आशा बहूएं मौजूद रही।

पैनल अधिवक्ता के चयन के लिये 17 तक करें आवेदन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने बताया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली की योजना निःशुल्क एवं सक्षम विधिक सेवायें 2010 के अन्तर्गत जनपद एवं तहसील के ऐसे अधिवक्तागण निर्धारित प्रारूप पर 17 जुलाई 2023 तक प्रार्थना पत्र आमंत्रित किये जाते है जो विधिक सेवा एवं परामर्श देने हेतु 03 वर्षो के लिये गठित होने वाले पैनल में शामिल होने के इच्छुक हो। पैनल अधिवक्ताओं को आवंटित किये गये न्यायालय में लम्बित मुकदमों में पैरवी हेतु नियमानुसार मानदेय देय होगा। उल्लेखनीय है कि 03 वर्षो से कम वकालत की अवधि वाले अधिवक्तागण आवेदन करने हेतु पात्र नहीं होगें। आवेदन पत्र के साथ बार काउन्सिल में पंजीकरण प्रमाण पत्र की छायाप्रति एवं स्वयं की रंगीन फोटो संलग्न करके जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतापगढ़ के कार्यालय में 17 जुलाई तक सायं 5 बजे तक जमा कर सकते है। विस्तृत जानकारी एवं अन्य जानकारी प्राप्त करने हेतु कार्यालय समय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतापगढ़ के कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

जानलेवा हमले का आरोपित गिरफ्तार

पट्टी, प्रतापगढ़। कंधई थाना क्षेत्र के गोलाही गांव में चार वर्ष पूर्व घर में घुसकर जानलेवा हमला करने के एक फरार चल रहे आरोपित को दीवानगंज चैकी इंचार्ज महेश कुमार जायसवाल ने पट्टी कोतवाली के बिरौती गांव से मंगलवार सुबह लगभग साढ़े छह बजे उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह कहीं भागने की फिराक में था। एसओ कंधई धीरेन्द्र ठाकुर ने बताया कि घर में घुसकर जानलेवा हमला करने के आरोपित गोलाही गांव निवासी जयचंद उर्फ उदय शंकर पुत्र शंकर को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा जा रहा है।

खबर संक्षेप

परशुराम दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के निधन पर शोक

कौशांबी। परशुराम दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप कुमार पांडे का 04 जुलाई को हृदय गति रुक जाने के कारण असामयिक मृत्यु हो गयी थी जिनकी शोक सभा सिराथू तहसील के भदवॉ गाँव में राजेंद्र तिवारी बाबा के आवास पर हुई सभी उपस्थित लोगों ने 2 मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार को इस महान दुखद घडी में इस घोर दुख सहन करने की हिम्मत प्रदान करने की प्रार्थना की गयी इस पर राजेन्द्र तिवारी बाबा ने कहा कि मृत्यु सत्य है जो सभी की होती है इससे कोई नहीं बचता परंतु असामयिक मृत्यु अतंयंत दुख दायी होती है आज हमलोगों को अपने बीच दिलीप कुमार पांडे का न रहना बहुत ही कष्ट दायी है ।शोक सभा में अनिल तिवारी बबलू तिवारी राम शिरोमणि आदि मौजूद रहे।

कांवरियो का पहला जत्था बाबा वैद्यनाथ धाम के लिए कौशाम्बी से हुआ रवाना

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सावन के पावन पर्व में शिव भक्तों को टोली बाबा बैजनाथ के दर्शन पूजन के लिए घर से बाहर निकल चुकी है,बुधवार को मंझनपुर नगर पालिका क्षेत्र के सैकड़ो शिव भक्त कांवड़ लेकर बाबा वैद्यनाथ में जल चढ़ाने के लिए निकल पड़े है। शिव भक्तों को टोली में 10 साल के बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग तक शामिल है। नगर के लोगो ने कावर यात्रा पर जाने वाले शिव भक्तों को फूल माला देकर विदाई दी। इस दौरान मंझनपुर चौराहे का माहौल शिव भक्ति में डूब गया। पुलिस ने शिव भक्तो को सुरक्षा देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। मंझनपुर नगर पालिका क्षेत्र के सैकड़ो शिव भक्तो का बड़ा कारवा बाबा वैद्यनाथ धाम के लिए बुधवार को रवाना हुआ है। सुबह से ही मंझनपुर के प्राचीन दुर्गा मंदिर में शिव भक्त एकत्रित हुए। जहां से करीब 10 बजे शिव भक्त एक साथ मंझनपुर में प्रमुख चौराहे पहुंचे। चौराहे पर शिव भक्ति के संगीत से सराबोर होकर शिव भक्त कावरिया एवम नगरवासी नाचते गाते दिखाई पड़े। हर हर महादेव

शिव भक्तों का जोरदार स्वागत कर कस्बाइयो ने की पुष्प वर्षा

कावरिया सेवा संघ के अध्यक्ष बाल गोविंद तिवारी ने बताया कि उनके साथ इस वर्ष कस्बे से करीब 600 से अधिक लोगो का जत्था बाबा वैद्यनाथ धाम के लिए रवाना हो रहा है। जिसे विदाई देने पूरा कस्बा सड़क पर आया है। हम इससे बेहद खुश और आह्लादित है। उन्होंने बताया कि मंझनपुर से वह बस के जरिए प्रयागराज पहुचेंगे। प्रयागराज से वह ट्रेन के जरिए सुल्तान गंज पहुचेंगे। सुल्तान गंज में गंगा स्नान पूजन कर कांवड़ यात्रा की शुरूआत करेंगे। उनके साथ 10 साल के बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग महिलाएं तक कांवड़ यात्रा में शामिल है। जो कोई डाक बम, ताड़क बम जिसकी जैसे मनोकामना हो वह उस तरह से कांवड़ लेकर लगभग 150 किलोमीटर की यात्रा पैदल चल कर बाबा वैद्यनाथ के मंदिर में उनका जल से अभिषेक करेगा। बताया जाता है कि बाबा वैद्यनाथ धाम की यह कांवड़ यात्रा सबसे कठिन यात्रा कांवड़ यात्रा के तौर पर देखी जाती है। जिसमे भक्त 150 किलो मीटर की यात्रा बिना कांवड़ जमीन पर रखे लगातार पैदल चल कर जलाभिषेक करते है। बाल गोविंद तिवारी बताते है कि कठिन यात्रा होने के बाद भी भक्त शिव शंकर का नाम लेकर यात्रा को पूरी करते है। यह पूरी यात्रा उनकी एक सप्ताह तक चलने वाली है इस दौरान मंझनपुर कस्बे से बड़ी संख्या में शिव भक्तो को विदाई देने के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल भी चौराहे पर सुरक्षा के मद्देनजर मौजूद रहा।

न्यूज झरोखा

पीडब्लूडी विभाग ने भारी बारिश के बीच बना दी सड़क

कौशाम्बी। यूपी की योगी सरकार के सख्त आदेश के बावजूद कौशाम्बी के लापरवाह अधिकारी लापरवाही और मनमाने रवैए से बाज नहीं आ रहे है,जिससे जहा एक ओर जनता का रुपया सरकार के माध्यम से जनता की समस्याओं के निदान के लिए खर्च तो किया जा रहा है लेकिन वह पानी में बह रहा है ।भरवारी कस्बे में पीडब्लूडी विभाग द्वारा सड़क बरसात में बनाई जा रही है लेकिन ठेकेदार की मनमानी देखिए भारी बारिश के दौरान भी सड़क का निर्माण नही बंद किया जा रहा है ।भारी बारिश के बीच सड़क निर्माण का वीडियो सोसल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है ।बारिश के बीच बनाई जा रही यह सड़क कितने दिन तक चलेगी यह तो समय बताएगा वही इस मामले में विभाग के एक्शियन से बात की गई तो उन्होंने कहा इस पर हमको बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

पुलिस कार्यालय के नए भवन का एसपी ने किया उद्घाटन

करारी कौशाम्बी। करारी थाना अंतर्गत पुलिस चौकी अर्का महावीरपुर के भवन का जीर्णोध्दार एवं नए कार्यालय का फीता काटकर पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव द्वारा मंगलवार की रात्रि में लोकार्पण किया गया इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि फरियादियों की शत प्रतिशत सुनवाई हो और पीड़ितों को न्याय दिया जाए इस दौरान उन्होंने कहा कि रात्रि गश्ती बढ़ाई जाए और अपराधियों पर कड़ी नजर रखी जाए नए भवन के उद्घाटन के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक क्षेत्राधिकारी मंझनपुर व अन्य अधिकारी कर्मचारी गण व आम जनता के लोग मौजूद रहे।

डायट प्राचार्य के पद पर विपुल शिवसागर ने ग्रहण किया कार्यभार

कौशाम्बी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंझनपुर कौशाम्बी में वरिष्ठ प्रवक्ता विपुल शिव सागर ने डायट प्राचार्य पद पर कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने जनपद कौशाम्बी की बुनियादी शिक्षा में गुणवत्ता को बढ़ाना अपनी शीर्ष प्राथमिकता में गिनाया । इस अवसर पर डॉ. अनिरुद्ध श्रीवास्तव,कौशलेंद्र मिश्र,डॉ. देवेश सिंह यादव,डॉ. वंदना सिंह,राजेन्द्र भारतीय,संदीप तिवारी,अमरेश चन्द्र पाण्डेय आदि प्रवक्ता/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। वरिष्ठ प्रवक्ता विपुल शिवसागर के डायट प्राचार्य का पद भार ग्रहण करने पर संस्थान के लोगों ने उनका माल्यार्पण कर गुलदस्ते देकर स्वागत किया और उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

अनियंत्रित कंटेनर घुसा सड़क के दूसरी पट्टी बाल बाल बचा गुमटी परिवार

अझुवा कौशांबी। सैनी कोतवाली के नगर पंचायत अझुवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर अंबर ढाबा के निकट बुधवार सुबह झपकी आने से कंटेनर ड्राइवर डिवाइडर चढ़ते दूसरी पट्टी में अनियंत्रित होकर घुस गया बगल में रखी गुमटी और घर में मौजूद लोग बाल बाल बच गए। जानकारी के मुताबिक ड्राइवर उमर पुत्र माजिद निवासी भगोड़ा क्योता हरियाणा कंटेनर लेकर प्रयागराज से गुड़गांव जा रहा था अंबर ढाबा के निकट ड्राइवर को झपकी आ गई जिससे ड्राइवर कंटेनर सहित डिवाइडर पर चढ़ते हुए दूसरी लेन को क्रास करते हुए वार्ड नंबर 4 निवासी ओमप्रकाश पुत्र स्व. छेद्दू की गुमटी के बगल से सड़क से नीचे चला गया इस दौरान जमकर अफरा तफरी का माहौल बन गया ।गनीमत रही कि गुमटी और बगल में घर में रह रहे लोग बच गए अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था,इस दौरान हाइवे आधा घंटा बाधित रहा वाहनों की दोनो तरफ लंबी कतार लग गई सूचना पर मौके पर पहुंचे हाइवे कर्मचारियों ने क्रेन के माध्यम से कंटेनर को बाहर किया और मार्ग को आवागमन हेतु प्रशस्त किया है

मानसिक विक्षिप्त बालक को मन्दित आश्रय गृह में दिया गया शरण

तिल्हापुर कौशांबी पिपरी थाना क्षेत्र के चलौली पेट्रोल पंप के पास 27 जून की रात को एक मानसिक विक्षिप्त बालक उम्र लगभग 16 वर्ष सड़क पर घूम रहा था दीपमाला संस्थान ने पुलिस को सूचना देते हुए मानसिक विक्षिप्त बालक को मानसिक मन्दित आश्रय गृह में शरण दिया गया है।

पूर्व ब्लाक प्रमुख नर नारायण मिश्रा से मिलने पहुंचे उत्तराखण्ड के पूर्व सीएम निशंक

भाजपा के सम्पर्क से समर्थन अभियान के तहत मंगलवार को उत्तराखंड के पूर्व सीएम रमेश पोखरियाल निशंख का मंझनपुर कस्बे में हुआ जोरदार स्वागत

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। उत्तराखंड के पूर्व सीएम रमेश पोखरियाल निशंख मंगलवार की शाम मंझनपुर के पूर्व ब्लाक प्रमुख वरिष्ठ अधिवक्ता नर नारायण मिश्रा के आवास उनसे मिलने पहुंचे जहां पूर्व सीएम का जोरदार तरीके नर नारायण मिश्रा के समर्थकों ने स्वागत किया इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया भाजपा के सम्पर्क से समर्थन अभियान के तहत मंगलवार को उत्तराखंड के पूर्व सीएम रमेश पोखरियाल निशंख का मंझनपुर कस्बे में नर नारायण मिश्रा पूर्व ब्लाक प्रमुख वरिष्ठ अधिवक्ता के आवास पर भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान पूर्व सीएम ने मोदी सरकार की उपलब्धियाँ गिनाई। और काफी देर तक नर नारायण मिश्रा से पूर्व सीएम ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए बातचीत की पूर्व सीएम ने मोदी सरकार की उपलब्धियाँ गिनाते हुए कार्यकताओं को भाजपा के टोल फ्री नम्बर पर फोन कराके भाजपा की सदस्यता दिलाई। कार्यक्रम में पूर्व ब्लाक प्रमुख वरिष्ठ अधिवक्ता नर नारायण मिश्रा मंझनपुर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि हुबलाल दिवाकर पूर्व विधायक लाल बहादुर सिराथू ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि लव-कुश मौर्या भाजपा की जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी नगर पालिका मंझनपुर अध्यक्ष वीरेन्द्र फौजी भाजपा नेता आशीष केसरवानी, संजय जायसवाल झल्लर चौरसिया अशोक मिश्रा एडवोकेट लल्लन मिश्रा,सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

भरवारी में उत्तराखण्ड के पूर्व सीएम निशंक का हुआ स्वागत, मोदी सरकार की गिनाई उपलब्धियां

कौशाम्बी। भाजपा के सम्पर्क से समर्थन अभियान के तहत मंगलवार को उत्तराखंड के पूर्व सीएम रमेश पोखरियाल निशंख का भरवारी में भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान पूर्व सीएम ने मोदी सरकार की उपलब्धियाँ गिनाई। भाजपा के सम्पर्क से समर्थन अभियान के तहत मंगलवार को उत्तराखण्ड के पूर्व सीएम रमेश पोखरियाल निशंक का भरवारी में जन सम्पर्क कार्यक्रम चला। इस दौरान पूर्व सीएम भरवारी के पूर्व चेयरमैन व भाजाप नेता गंगा प्रसाद केसरवानी उर्फ काले भाई के आवास पहुँचे जहां कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। पूर्व सीएम ने मोदी सरकार की उपलब्धियाँ गिनाते हुए कार्यकताओं को भाजपा के टोल फ्री नम्बर पर फोन कराके भाजपा की सदस्यता दिलाई ।कार्यक्रम में भाजपा की जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी, पूर्व चेयरमैन भरवारी गंगा प्रसाद केसरवानी, नगर पालिका मंझनपुर के अध्यक्ष वीरेन्द्र फौजी, भाजपा नेता आशीष केसरवानी, संजय जायसवाल, जगदीश शिवहरे, पितम्बर लाल केसरवानी, जीतू केसरवानी, सभासद शंकर लाल केसरवानी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से किशोर की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के बूंदा गांव में बकरी चराने गए 13 वर्षीय किशोर के ऊपर आकाशीय बिजली गिर गई है जिससे किशोर की मौत हो गई है मामले की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है बताया जाता है कि पिपरी थाना क्षेत्र के बूंदा गांव निवासी अंकज उम्र 13 वर्ष पुत्र चंद्रशेखर बुधवार को खेत में बकरी चराने गया था इसी बीच तेज गर्जना के साथ आकाश से बिजली गिर गई आकाशीय बिजली की चपेट में अंकज आ गया जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया और उसकी मौत हो गई मामले की सूचना मिलते ही मौके पर तमाम ग्रामीणों की भीड़ लग गई मामले की सूचना पुलिस को भी दी गई किशोर की मौत की जानकारी मिलते ही रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंच गए हैं।

गौशालाओं में अव्यवस्था देख विहिप ने किया हंगामा

अखंड भारत संदेश

करारी कौशांबी। गौशालाओ में पेट भर चारा न देने व बीमार मवेशियों का समय पर इलाज न कराने की शिकायत पर विहिप व गोरक्षा के पदाधिकारी बुधवार को पथराकला पहुंचे। यहां मवेशियों की दुर्दशा देख हंगामा कर धरने पर बैठ गए। सूचना पर मौके पर पहुचे सीवीओ ने व्यवस्था दुरुश्त कराने का आश्वासन दिया। विहिप व गोरक्षा जिला प्रमुख रूपेंद्र विश्वकर्मा को किसी ने सूचना दी कि पथराकला गौशाला में कई मवेशी बीमार हैं। डॉक्टर इलाज नहीं कर रहे हैं। मवेशियों को पेट भर चारा नहीं मिला रहा हैं। इस पर विहिप प्रखंड संयोजक गनेश वर्मा ,जगदीश केसरवानी, आशीष मौर्य, अमित पाठक के साथ मौके पर पहुंचे। यहां चार गौवंश बीमार मिले। केयर टेकर ज्ञान सिंह व हनुमत ने बताया कि सरकारी डॉक्टर कभी नहीं आते हैं। चारा में केवल सूखा व खराब भूसा सिर्फ दिया जा रहा। इस पर बिहिप के लोग मौके धरने पर बैठ गए। प्रधान व ग्राम पंचायत अधिकारी का फोन मिलाया तो बंद मिला। सूचना पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी मौके पर पहुंचे। मौका मुआयना किया और पशु चिकित्सक डॉक्टर कमलेश कुमार को हटाकर, अजीत सिंह को पोस्ट करते हुए जांच कराने का आश्वासन दिया तो विहिप के लोग माने।

मौके पर पहुंचे सीवीओ ने व्यवस्था दुरुस्त कराने का दिया आश्वासन

म्योहर गौशाला में मृत मवेशी को नोच रहे थे कुत्ते

करारी कौशाम्बी। मंगलवार को म्योहर के गौशाला में एक मवेशी इलाज के अभाव में मर गया। मवेशी के शव को कुत्ते नोच रहे थे। सूचना पर गो रक्षा प्रमुख ने ग्राम प्रधान के प्रतिनिधि व केयरटेकर को कड़ी फटकार लगाई। इसके बाद मवेशी को गड्ढा खोदवाकर दफन करवाया।

हत्या में दोष सिद्ध गुंडों के आतंक से परेशान युवक ने एसपी से लगाई गुहार

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के बारियावा गांव निवासी रूपेश कुमार सरोज पुत्र गुलाबचंद सरोज के गांव के कुछ लोग हत्या के मामले में अदालत से दोषी साबित हो चुके हैं सजा काटकर बाहर लौटे हत्या के दोषी लोगों से रूपेश कुमार पीड़ित है लेकिन उसके बाद भी हत्या के दोषियों पर चरवा थाना पुलिस कार्यवाही नहीं कर रही है जिस पर पीड़ित रूपेश पुलिस अधीक्षक से मिला और हत्या के दोषियों पर कार्यवाही किए जाने की मांग की हत्या के दोषियों पर गैंगस्टर गुंडा एक्ट की कार्रवाई करने के बजाय चरवा थाना क्षेत्र के हल्का उपनिरीक्षक और सिपाही हत्या के दोषी के संपर्क में देखे जाते हैं। बताते चलें कि बारियावा गांव की बंजर आबादी संख्या 1250 में रूपेश के माता पिता की कब्रिस्तान 35 वर्ष पहले से बनी है और इसी भूमि पर सैकड़ों वर्ष पुराना देवताओं का देवस्थान बना हुआ है देवस्थान में श्रद्धा और आस्था के साथ परिवार पूजा पाठ करते हैं इसी भूमि पर 52 वर्ष पूर्व रूपेश के पिता ने आवास का निर्माण कराया था जिस पर रूपेश का परिवार रहता हैं घर के पानी निकास की बात को लेकर आए दिन रुपेश के साथ गाली-गलौज मारपीट और जान से मारने की धमकी दी जाती है पूर्व में आरोपियों ने धर्मेंद्र की हत्या की थी जिस पर उन्हें जेल हुई थी और अदालत ने उन्हें गुनाहगार माना था एसपी को शिकायती पत्र देते हुए पीड़ित ने बताया कि पानी निकासी के पाइप लाइन डालने के समय ननकू लाल मेघनाथ रुस्तम पुत्रगण मेही लाल वा रोशन लाल भैया राम आदि ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए पाइप लाइन डालने से रोक दिया है गांव के धर्मेंद्र की हत्या में ननकू लाल पुत्र मेही लाल वा शिवा पुत्र चन्दी लाल आदि नामजद आरोपी है ननकू आदि को अदालत ने हत्या का दोषी करार दिया है जेल से छूटने के बाद इन हत्यारो और उनके परिजनों का आतंक है पीड़ित ने बताया कि ननकू लाल

पॉलीथीन समाज लिये घातक, कपड़े के बैग करें प्रयोग : देवेन्द्र

अखंड भारत संदेश

विश्व युवक केन्द्र तथा वसेरा ने चलाया पालीथीन मुक्त भारत अभियान प्रतियोगिता में दिब्या चौधरी अंतरा कुशवाहा व नंदनी ने मारी बाजी

भरवारी कौशाम्बी। पालीथीन समाज के लिये घातक है। इसके प्रयोग से पर्यावरण प्रभावित होता है। प्लास्टिक कचरा को नष्ट नही किया जा सकता । यह न तो गलती है, न ही नष्ट होती है। इसे जलाने से वायुमंडल प्रदुषित होता है। जहाँ भी प्लास्टिक का कचरा रहता है, वहाँ कोई भी पौधा नही जीवित रह सकता। पालीथीन से पर्यावरण को बचाने के लिये कपड़े के थैले का प्रयोग करे। पूरे देश मे कानूनन पालीथीन प्रयोग वर्जित होने के पश्चात भी धड़ल्ले से बाजारो में प्रयोग किया जा रहा है इसे कानून के साथ सामाजिक जागरूकता से रोका जा सकता है । उक्त विचार देवेन्द्र कुमार शर्मा सचिव वसेरा ने विश्व युवक केन्द्र दिल्ली तथा वसेरा द्वारा सेंट फ्रांसिस स्कूल , बेरुआ में विश्व पर्यावरण 2023 के अन्तर्गत आयोजित सेमिनार प्रतियोगिता तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य विचारक के रूप में व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि पालीथीन से जलवायु पर असर पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बेमौसम बरसात, असमय गर्मी, ठण्डी देखने को मिल रहा है। जलवायु परिवर्तन रोकने के लिये बृहद स्तर पर वृक्षारोपण तथा उसकी देखरेख की आवश्यकता है। उन्होंने अपील किया कि विश्व पर्यावरण दिवस को 5 जून की जगह प्रतिदिन मनाया जाय। पल पल स्वच्छ पर्यावरण के लिए प्रयास किया जाय उन्होंने सभी बच्चों को पालीथीन प्रयोग नही करने तथा वृक्षारोपण करने का संकल्प दिलाया इस अवसर पर पालीथीन से बढ़ता प्रदूषण तथा जलवायु पर इसका प्रभाव विषयक निबन्ध चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इसमें सीनियर वर्ग कला प्रतियोगिता में दिब्या चौधरी,निबन्ध में अंतरा कुशवाहा तथा भाषण में नंदनी ने प्रथम, एवम जूनियर वर्ग में चित्रकला में ध्रुव यादव, निबन्ध में स्मिता कश्यप भाषण में प्रगति केशरवानी द्वितीय तथा चित्रकला में हितेश यादव, निबन्ध में परिधि सक्सेना, भाषण में शुभी शुक्ला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जिन्हें प्रमाण पत्र दिया गया। पर्यावरण अभियान 2023 के आयोजन में सहयोग के लिये प्रधानाचार्य जेराल्ड डिसूजा तथा प्रबंधक रोशन लाल वत्स को वसेरा द्वारा पर्यावरण साथी सम्मान से सम्मानित किया गया इसके पूर्व प्रधानाचार्य जेराल्ड डिसूजा ने देवेन्द्र कुमार शर्मा को विद्यालय का स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र तथा पौध देकर सम्मानित किया कार्यक्रम में लगभग 1500 बच्चों ने भाग लिया। 450 बच्चों ने विद्यालय परिसर में आम, जामुन, पपीता, अशोक, अमरूद,लीची के पौधो के साथ घिक्वार, अश्वगंधा जैसे औषधीय पौधे लगाये। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जीतेंद्र प्रताप सिंह, लुईस जोजेफ, अंजना त्रिपाठी, नीलम यादव, धर्मेंद्र कुमार सिंह, सुभाष शर्मा, पवन कुमार मिश्रा कुलदीप सोनी, रंजना पांडेय आदि अध्यापको का विशेष सहयोग रहा।

धान की बेहन में भैंस चले जाने पर किशोर को जमकर पीटा

टेडीमोड कौशाम्बी कोखराज थाना क्षेत्र के बम्हरौली गांव में बालकुश 12 साल पुत्र मानसिंह बुधवार को दोपहर भैंस चराने गांव के बाहर गया हुआ था। भैंस घास चरते चरते अचानक बगल में सुरेंद्र कुमार पुत्र बच्चा लाल के खेत में लगी बेहन की तरफ चली गई और उसमें भैंस का पैर चला गया। इतने में वहां पर मौजूद सुरेंद्र कुमार पुत्र बच्चा लाल एवं बच्चा लाल पुत्र स्व. जागेश्वर और ब्रजरानी ने मिलकर किशोर को पहले लात घूसों से जमकर पीटा उसके बाद उसके गले में डंडा फंसाकर मारने का प्रयास किया आसपास खेतों में रहे लोगों ने पहुंचकर किशोर को छुटाया। शिकायत करने पर किशोर के साथ साथ उसके पिता को भी जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी होने पर किशोर के पिता ने शहजादपुर पुलिस चौकी में लिखित शिकायत किया है।

संपादकीय

जनगणना को वोट-गणना में मत बदलिए

सरकार के डरने और जनगणना रोकने का एक और कारण जातिगत जनगणना की मांग हो सकती है। लगभग पूरे विपक्ष ने ही नहीं नवीन पटनायक जैसे 'न्यूट्रल' नेता ने भी इसकी पहल की है। खुद भाजपा को भी बिहार की हवा देखते हुए वहां जातिवार जनगणना का समर्थन करना पड़ा लेकिन वह इसके खिलाफ है। ऐसे लोग काम नहीं हैं जिनको लगता है कि इस बार का चुनाव मण्डल बनाम कमंडल हो सकता है। तेईस मई को गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में बने जनगणना भवन का उद्घाटन किया तो जनगणना के महत्व को लेकर भी काफी अच्छी-अच्छी बातें की। उसे विकास योजनाओं का आधार बताया और यह भी कहा कि इस बार की जनगणना में कई नई जानकारियां भी जुटाई जाएंगी जो आर्थिक योजनाओं और सरकार के संचालन में महत्वपूर्ण होंगी। उन्होंने कहा तो और भी बहुत कुछ लेकिन सिर्फ यह नहीं बताया कि अगली जनगणना कब होगी। यह सवाल सबके मन में है क्योंकि जनगणना का साल 2021 ही था और दो साल से ज्यादा की देरी होने पर भी कुछ भी साफ नहीं है कि अगली जनगणना कब होगी। पिछले डेढ़ सौ साल से जनगणना आम तौर पर फरवरी में हुआ करती थी-दोनों विश्व-युद्धों के दौरान भी इसे नहीं रोका गया था। सरकार ने सिर्फ एक बार बताया है कि कोरोना के कारण इसे रोका गया था। अब मई के बाद की जानकारी के लिए अगर आप नेट सर्च करते हैं तो आपको जनगणना के नाम पर सिर्फ जातिवार जनगणना की खबरें ही दिखेंगी। इस बीच संयुक्त राष्ट्र जनगणना कोष ने जरूर यह अनुमान जारी करके हंगामा मचाया है कि इस साल मध्य में भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन जाएगा और हमारी आबादी 142 करोड़ से ऊपर होगी। सरकार की तरफ से कोरोना को कारण बताया गया लेकिन 2019 तक तो कोरोना कहीं न था और तब तक जनगणना की शुरूआत हो जानी चाहिए थी। बीते हर अवसर पर जनगणना का काम इतना पहले तो शुरू हो ही जाता था। और जिस तरह जनगणना में शामिल जानकारियों की संख्या बढ़ती जा रही है, जनगणना का फार्म बड़ा हो रहा है, उसे भरवाना ज्यादा समय ले रहा है और उसके आंकड़ों का मिलान और विश्लेषण ज्यादा व्यक्त की मांग करते हैं। अमित शाह भी अगर नए तरह की जानकारियों की बात करते हैं तो समय ज्यादा ही लगेगा। इसलिए होना यही चाहिए था कि वक्त पर शुरूआत जरूर हो जानी चाहिए थी। आम तौर पर जनगणना की तैयारी और शुरूआती काम दो-तीन साल पहले शुरू हो जाता था जिसमें कैजुअल कर्मचारियों की भर्ती भी शामिल था। इस बार वह भी कहीं नहीं दिखा। पर जैसे सरकार किसी बहाने का इंतजार कर रही थी। कोरोना ने वह अवसर दे दिया। अमित शाह ने भी अगर समय की घोषणा नहीं की तो इसका कारण फरवरी और जनगणना का रिश्ता है। चुनाव वैसे तो 2024 के मई में हैं लेकिन वे पहले भी हो सकते हैं। इसलिए अभी जनगणना की तारीख घोषित करना जोखिम का काम है। इस चक्कर में साल भर की और देर हो सकती है। यह बताने में भी कोई हर्ज नहीं है कि दुनिया में भारत के जिन आंकड़ों पर सबसे ज्यादा भरोसा किया जाता है उसमें जनगणना के आंकड़े भी शामिल हैं। अंग्रेजी राज में बनी यह व्यवस्था अपनी निरन्तरता के लिए भी भरोसेमंद बनी हुई है। ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो मानते हैं कि यह सरकार भरोसेमंद आंकड़ों से डरी हुई सरकार है। इसने जीडीपी की गणना में छेड़छाड़ कराने से लेकर सारे आंकड़ों को अविश्वसनीय बना दिया है या सांख्यिकी के कुल काम को ही बेकार कर दिया है। जब राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (जिसके आकड़े भी दुनिया के लिए विश्वसनीय हैं) के राष्ट्रीय उपभोक्ता सर्वेक्षण में यह बात सामने आई कि 2012 की तुलना में 2018 में आम लोगों के उपभोग के स्तर में काफी गिरावट आई है तब सरकार ने इस सर्वे के आंकड़े को जारी नहीं होने दिया। जब ये आंकड़े लीक होकर मीडिया में आ गए तक कुछ समय बाद सरकार ने इन्हें चुपचाप जारी करा दिया। लेकिन हर पांच साल पर होने वाले ऐसे सर्वेक्षण का क्रम रोक दिया गया। अब ऐसा कोई सर्वेक्षण नहीं हो रहा है। ऐसा ही बेरोजगारी संबंधी एनएसएस के आंकड़ों के साथ भी हुआ। जब उसके सर्वेक्षण में बेरोजगारी की दर रिकार्ड छह फीसदी पहुंची बताई गई तो सरकार ने आंकड़ों को रोक लिया जबकि मुख्य आर्थिक सलाहकार इन्हें जारी करने की वकालत करते रहे, फिर जब चुनाव पास आया तब सरकार ने धीरे से इन्हीं आंकड़ों को जारी कर दिया। हर आंकड़े से डरने वाली सरकार जनगणना के आंकड़ों से भी डरे यह स्वाभाविक लगता है। जनगणना दो चरणों की चीज है-पहले में घर-गणना होती है- बाजापता निशान और नंबर डालकर घर गिने जाते हैं और फिर हर घरवासी का और उसके बाद फुटपाथ पर रहने वालों की गिनती होती है। इससे भूल-चूक का अंदेशा कम हो जाता है। जानकार लोग मानते हैं कि इस बार की जनगणना रोकना कोरोना की जगह राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर और सीएए जैसे विवादास्पद प्रावधानों की उलझन के चलते हुआ है। हम जानते हैं कि शाहीन बाग का और उसकी देखादेखी देश भर में जगह-जगह चल रहे आंदोलन से नागरिकता के उलझे सवाल पर सरकारी नजरिए का दोष जाहिर हुआ लेकिन यह भी हुआ कि इस आंदोलन ने भाजपा को हिन्दू-मुसलमान ध्रुवीकरण कराने में मदद की। अब सरकार जनगणना के मत्थे ऐसा ध्रुवीकरण और राजनीतिकरण नहीं चाहती क्योंकि नागरिकता रजिस्टर वाले प्रावधान से एक सामान्य जनगणनाकर्मी भी किसी व्यक्ति, परिवार, मुहल्ले और बस्ती को रजिस्टर से बाहर कर सकता है। नागरिकता का फैसला होने तक उनका भविष्य आधार में लटका होगा। यह एक बड़ा हंगामा पैदा करेगा जिसे संभालना आसान न होगा। यह भी हुआ कि जैसे ही सरकार ने जनगणना के साथ जनसांख्यिकी रजिस्टर और नागरिकता रजिस्टर वाली बात उठाई अनेक राज्यों ने विरोध कर दिया।

ईरान को एससीओ का सदस्य बनने से भारत के साथ उसकी नजदीकी और बढ़ेगी

अशोक भाटिया

ईरान मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन का नया स्थायी सदस्य बन गया। एससीओ के एक ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में यह घटनाक्रम हुआ जिसकी मेजबानी भारत ने की। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रभावशाली समूह का पूर्ण सदस्य बनने पर ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और वहां के लोगों को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर राष्ट्रपति रईसी और ईरान के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि हम बेलारूस की एससीओ सदस्यता के लिए मेमोरेंडम ऑफ ऑब्लिगेशन पर हस्ताक्षर करने का भी स्वागत करते हैं।" उन्होंने कहा कि अब एससीओ में शामिल होने के लिए अन्य देशों की रुचि इस संगठन के महत्व का प्रमाण है।

भारत के प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुए शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और समूह के अन्य नेता शामिल हुए। अपनी टिप्पणी में ईरान के राष्ट्रपति रईसी ने उम्मीद जताई की कि (एससीओ) में ईरान की उपस्थिति सामूहिक सुरक्षा और सतत विकास के साथ-साथ देशों के बीच एकता हासिल करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी। शिखर सम्मेलन के समापन पर जारी एक घोषणा पत्र में कहा गया कि सदस्य देशों ने एक पूर्ण सदस्य राष्ट्र के रूप में (एससीओ) में इस्लामी गणराज्य ईरान के प्रवेश के ऐतिहासिक महत्व पर जोर दिया। घोषणा में कहा गया है कि उन्होंने (एससीओ) के सदस्य का दर्जा प्राप्त करने के लिए बेलारूस गणराज्य की ओर से मेमोरेंडम ऑफ ऑब्लिगेशन पर हस्ताक्षर करने के महत्व को भी रेखांकित किया।

ज्ञात हो कि एससीओ की स्थापना 2001 में शंघाई में एक शिखर सम्मेलन में रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों की ओर से की गई थी। वहीं वर्ष 2017 में भारत के साथ पाकिस्तान इसका स्थायी सदस्य बना। शंघाई शिखर सहयोग संगठन यानि एससीओ में अभी तक भारत, पाकिस्तान, चीन, रूस, उज्बेकिस्तान, तजाकिस्तान, किर्गिस्तान ही सदस्य थे मगर अब रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने ईरान को भी इसमें शामिल करा लिया है। इस प्रकार अब एससीओ के ईरान समेत कुल आठ सदस्य हो गए हैं। ईरान को एससीओ का सदस्य बनाए जाने से पहले यह समझना जरूरी है कि यह संगठन है क्या और इसकी महत्ता कितनी अधिक है। आपको बता दें कि एससीओ शिखर की स्थापना वर्ष 2001 में रूस व चीन ने उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तजाकिस्तान जैसे देशों को साथ लेकर की थी। यह महत्वपूर्ण क्षेत्रीय प्रभावशाली और आर्थिक सुरक्षा ब्लॉक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के एससीओ का सदस्य बनने के बाद पहली बार इसे सिक्योर नाम दिया। प्रधानमंत्री ने इसका अर्थ र-से सुरक्षा, ए-से इकोनॉमिकल डेवलपमेंट, उ- से कनेक्टिविटी, व- से यूनिटी (एकता), फ यानी क्षेत्रीय अखंडता के लिए सम्मान और संप्रभुता, ए-से एनवायरमेंट यानी पर्यावरण संरक्षण। इस प्रकार पीएम मोदी ने एससीओ शिखर सम्मेलन का स्वरूप और परिभाषा ही बदल दिया। इससे रूस के राष्ट्रपति पुतिन समेत उज्बेकिस्तान, तजाकिस्तान और किर्गिस्तान जैसे देश भी पीएम मोदी के कायल हो गए। एससीओ अब पीएम मोदी के मंत्र के अनुसार बताए उद्देश्यों की पूर्ति के लिए काम कर रहा है। अब सबसे पहला सवाल यह है कि ईरान को एससीओ का सदस्य बनाने का रूस ने प्रस्ताव क्यों रखा। आखिरकार पुतिन को ईरान के एससीओ का सदस्य बनने से क्या फायदा होने वाला था और ईरान को इस संगठन में शामिल होने से क्या लाभ होगा। दरअसल रूस इस दौरान यूक्रेन युद्ध के चलते पूरी दुनिया से अलग-थलग पड़ गया है। यूरोप व समस्त पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह का प्रतिबंध लगा दिया है जिसका पालन में यूरोप व पश्चिमी देशों द्वारा किया जा रहा है। रूस की निजी सेना वैगनर समूह का विद्रोह भले ही बाद में ठंडा पड़ गया हो लेकिन इस घटना ने भी दुश्मन को मजबूत होने और पुतिन को कमजोर साबित करने का मौका दिया है। ऐसे में राष्ट्रपति पुतिन के पास एससीओ एकमात्र ऐसा अंतरराष्ट्रीय एशियाई संगठन है जिसके माध्यम से वह अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर सकते हैं। एससीओ का कुनबा जितना बढ़ेगा, पुतिन और रूस की ताकत भी उतनी ही बढ़ेगी। वजह साफ है कि एससीओ के सभी सदस्य देश रूस के परम मित्रों में हैं। भारत, चीन, पाकिस्तान, तजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और अब ईरान के रूस से बहुत ही मधुर संबंध हैं। ऐसे में ये सभी देश यूक्रेन युद्ध के समय में भी प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप में पुतिन के साथ खड़े रहे हैं। इसलिए अब ईरान के आने से पुतिन की ताकत और बढ़ी है।

एससीओ के माध्यम से राष्ट्रपति पुतिन ने पश्चिमी देशों को अपनी ताकत का एहसास कराया है। रूस द्वारा ईरान को एससीओ का सदस्य बनाए जाने से यूक्रेन और अमेरिका इस कदर बौखला गए हैं कि जिसकी कोई सीमा नहीं है। यूक्रेन की बौखलाहट का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि जिस वक्त राष्ट्रपति पुतिन वीडियो क्रॉन्फ्रेंसिंग के जरिये एससीओ में शामिल हो रहे थे, उसी दौरान यूक्रेन ने रूस पर हमला कर दिया। यूक्रेन ने रूस की राजधानी मास्को पर कई ड्रोन बम बरसाए। हालांकि रूसी अधिकारियों के अनुसार यूक्रेन के ड्रोन हमलों को नाकाम कर दिया गया।

वहीं अमेरिका के बौखलाहट की वजह भी साफ है। ईरान रूस का परम मित्र है और अमेरिका से इन दोनों ही देशों का 36 का आंकड़ा है। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईशी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की दोस्ती जग जाहिर है। इतना ही नहीं ईरान यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद हथियार और ड्रोन देकर भी कर रहा है। ईरान के पास काफी अत्याधुनिक हथियार और ड्रोन हैं। इससे अमेरिका और यूक्रेन घबराए हैं। ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रमों से भी अमेरिका को टेंशन दे रखा है। यूक्रेन युद्ध में ईरान एक मात्र ऐसा देश है जो रूस को खुलकर हथियारों की सप्लाई कर रहा है।

भारत की कूटनीति का यह सबसे स्वर्णिम दौर चल रहा है। पीएम मोदी के करिश्माई नेतृत्व का नतीजा है कि जो देश एक दूसरे के दुश्मन हैं, उन दोनों को ही भारत ने अपना दोस्त बना रखा है। यही हाल ईरान के साथ भी है। ईरान व इजराइल में भयंकर दुश्मनी है और ईरान व अमेरिका में भी 36 का आंकड़ा है। इसके बावजूद ये तीनों ही देश भारत के दोस्त हैं। ईरान के एससीओ का सदस्य बनने से रूस के साथ भारत की स्थिति भी और मजबूत होगी। डिफेंस क्षेत्र में ईरान की अत्याधुनिक तकनीकियों का भारत को फायदा होगा।

ईरान का एससीओ का सदस्य बनने से भारत के साथ उसकी नजदीकी और बढ़ेगी। अभी दोनों देशों के संबंध सामान्य हैं लेकिन बहुत गहरे नहीं हैं। भारत को सबसे बड़ा फायदा चाबहार बंदरगाह से मिलने वाला है। यह भारत के लिए आर्थिक, सामरिक और व्यापारिक रूप से महत्वपूर्ण है। इसमें दो अलग-अलग बंदरगाह शाहिद कलंतरी और शाहिद बेहेश्टी हैं। इनमें से शाहिद बेहेश्टी का परिचालन एक भारतीय फर्म कर रही है। यह पोर्ट मध्य एशियाई देशों में संपर्क के लिए सीधा समुद्री मार्ग है। इससे भारत को अपनी सप्लाई चेन मजबूत करने में आसानी होगी। यह भारत को अफगानिस्तान से भी सीधा जोड़ता है।

चाबहार बंदरगाह भारत के लिए चीन के खिलाफ रणनीतिक और सामरिक हथियार की तरह है। दरअसल चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के साथ-साथ अरब सागर में चीन की उपस्थिति का मुकाबला करने में भी भारत के लिए यह पोर्ट बेहद फायदेमंद होगा। जबकि चीन ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने में पाकिस्तान की मदद कर रहा है ताकि भारत को सामरिक दृष्टि से घेर सके। चाबहार पर यदि भारत की पकड़ और मजबूत हो जाती है तो यह ग्वादर से सिर्फ 72 किलोमीटर दूर है। यहां से चीन को टार्गेट करने में काफी आसानी होगी। चीन और ईरान के संबंध भी जटिल हैं। उसका झुकाव भारत की ओर अधिक है। ईरान-पाकिस्तान के संबंध भी बहुत बेहतर नहीं हैं। अन्य सदस्य देशों के साथ ईरान के सामान्य संबंध हैं।

महाराष्ट्र में चाचा बनाम भतीजा युद्ध से कांग्रेस को बड़ा झटका

राज सक्सेना

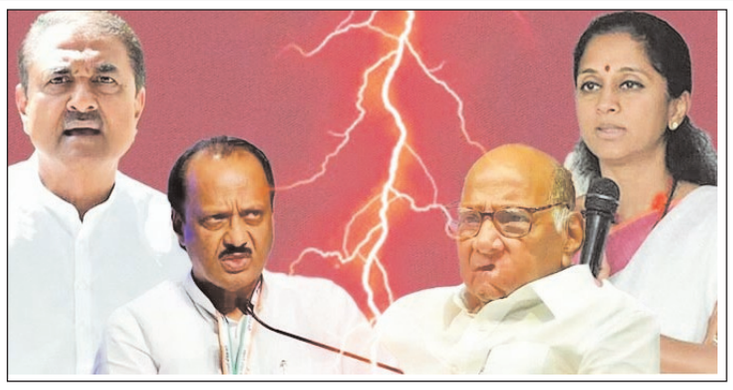

विगत रविवार और सोमवार को देश की देश की राजनीति को प्रभावित करने वाली दो बड़ी घटनाएं लगातार घटित होना यह संकेत देता है कि भारत की विपक्षी एकता में पहले से ही पड़ी दरारें अब और चौड़ी होकर सामने आने जा रही हैं। इन घटनाओं से विपक्षी एकता की सबसे बड़ी अलमबरदार और प्रणेता महाराष्ट्र की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और नीतीश के कमजोर कंधों पर रखकर विपक्षी एकता के नाम परभाजपा पर निशाना लगा रही राष्ट्रीय जनता दल की शक्ति में कमी तो आएगी ही, अन्य विपक्षी दलों पर पर दबाव बनाने की क्षमता में भी ह्रास होगा।

महाराष्ट्र संकट के बाद प्रस्तावित विपक्षी दलों की आगामी बैठक 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में होने की जानकारी देते हुए कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भले ही यह कहा हो कि महाराष्ट्र में जो कुछ हुआ या हो रहा है, उसका इस बैठक पर कोई असर नहीं पड़ेगा लेकिन यह तो संभव ही नहीं है कि विपक्षी दल शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में हुई फूट से प्रभावित न हों।शरद पवार केवल महा विकास आघाडी को दिशा देने का ही काम नहीं कर रहे थे बल्कि वह महाराष्ट्र की तर्ज पर राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों में एकता की भी एक बड़ी कोशिश कर रहे थे।निश्चित रूप से वह उन नेताओं में प्रमुख थे जिन पर अन्य दलों के साथ कांग्रेसी विपक्षी एकता को मजबूत बनाने के लिए भरोसा कर रहे थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में टूट के बाद न केवल शरद पवार राजनीतिक रूप से आवश्यकता से अधिक कमजोर हुए हैं बल्कि महा विकास आघाडी भी वास्तव में शरद पवार के भतीजे अजीत पवार के विद्रोह कर देने के कारण अंदर से लगभग टूट ही गयी है।वास्तव में यह महा विकास आघाडी के लिए एक इतना बड़ा आघात है जिसकी प्रतिपूर्ति संभव ही नहीं है।केवल इतना ही नहीं, इसे कांग्रेस के लिए भी महा आघात के रूप में लिया जा सकता है। अब उसे सारा ध्यान अपने विधायकों की घेराघारी में ही लगाना पड़ेगा। विपक्षी एकता दूसरी प्राथमिकता का रूप ले लेगी।लोकसभा सीटों की दृष्टि से देश के दूसरे सबसे महत्वपूर्ण राज्य महाराष्ट्र में विपक्षी दलों के मोर्चे में बिखराव, भाजपा विरोधी दलों को एकजुट करने की मुहिम को अकल्पनीय झटका देने वाला है। भले ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में टूट के बाद कांग्रेस को अन्य विपक्षी दलों के साथ सौदेबाजी की क्षमता में बढ़ोतरी हुई लगती हो और वह उनकी इस पहल को कमजोर करने में भी समर्थ हो गई हो कि उसे कम से कम सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए लेकिन ऐसे दल गिनती के ही हैं जो उसे कुछ दे सकने की स्थिति में है, या हो सकते हैं।नीतीश कुमार जो विपक्षी एकता के बिहार में कांग्रेसके सबसे बड़े पैरोंकार है, को इसलिए ज्यादा कुछ देने की स्थिति में नहीं समझा जा सकता क्योंकि वे खुद प्रदेश में सबसे बड़ा दल नहीं हैबल्कि राष्ट्रीय जनता दल के दया भाव पर ही आश्रित है। सच तो यह है कि खुद अपराधभाव से ग्रसित नीतीश कुमार उसी दल पर आश्रित है जिसको कभी वे स्वयं भला-बुरा कहते रहे हैं। विपक्षी एकता की मुहिम में शामिल अन्य नेताओं में से ममता बनर्जी यह नहीं चाहती रही है कि कांग्रेस बंगाल में अपनी जड़ें जमाने में कामयाब हो सके या इसकी कोशिश भी करे।उन्होंने तो स्पष्ट यह शर्त भी लगा दी है कि कांग्रेस से तभी बात की जा सकती है जब वह वामदलों से दूरी बनाए।यह शर्त शायद ही कांग्रेस को स्वीकार हो। दूसरी ओर समस्या यह भी है कि केरल में सत्तारूढ़ वाम दलों के नेता कांग्रेस से मेल मिलाप के लिए साफ तौर पर इच्छुक ही नहीं लगते क्योंकि वहां उनका मुकाबला उससे है ही नहीं।

जो अन्य विपक्षी नेता पटना बैठक में शामिल हुए थे,वे भी अपने-अपने राज्यों में कांग्रेस को अहमियत देने के लिए तत्पर नहीं हैं,कांग्रेस की समस्या केवल इतनी ही नहीं है।वह विपक्षी दलों और साथ ही देश की जनता को आकर्षित करने के लिए कोई एक आकर्षक या बड़ा मुद्दा या विमर्श भी खड़ा कर पाने में भी सफल नहीं रही है। सोने पर सुहागा यह भी कि उसने समान नागरिक संहिता पर जो एकतरफा रुख अपनाया हुआ है उससे उसके कई सहयोगी जिनमें उद्धव शिवसेना और अन्य कई विपक्षी दल भी सहमत नहीं दिख रहे हैं। दूसरी ओर सोमवार को रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाले में सीबीआई ने सोमवार को राउस एवेन्यू स्थित विशेष अदालत में दूसरा आरोपपत्र दाखिल कर दिया है।जिसमें पूर्व रेल मंत्री लालू यादव, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव समेत 14 अन्य व्यक्तियों व संस्थाओं को आरोपित किया गया है।पहली बार तेजस्वी यादव को भी आरोपी बना दिया गया है।मामले में अगली सुनवाई 12 जुलाई को होगी। विशेष न्यायाधीश सीबीआई गीतांजलि गोयल के समक्ष प्रस्तुत आरोपपत्र में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के अतिरिक्त आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी व अन्य संबंधित भारतीय दंड संहिता की धाराओं के अंतर्गत आरोप लगाए गए हैं।

न्यायालय के समक्ष विशेष लोक अभियोजक अधिवक्ता ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्ट दाखिल होने तक आरोपियों की भूमिका स्पष्ट नहीं हो सकी थी। जांच में कुछ दस्तावेज और साक्ष्यों के आधार पर दूसरा आरोपपत्र दाखिल किया जा रहा है। सीबीआई ने यह भी कहा कि पूरा अपराध एक अलग कार्यप्रणाली के साथ किया गया है।पश्चिम मध्य रेलवे में निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन करते हुए उम्मीदवारों को इस प्रकार नियुक्ति दी गई, जिसमें रेल मंत्री लालू यादव ने स्वयं रुचि ली। सीबीआई द्वारा पिछली जुलाई में लालू यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान रहे स्पेशल ड्यूटी ऑफिसर भोला यादव को गिरफ्तार किया था।स्मरणीय है कि सीबीआई ने इस मामले में 10 अक्टूबर 2022 को 16 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। विगत 15 मार्च को अदालत में इस मामले में लालू राबड़ी और उनकी बेटी निशा भारती समेत अन्य को नियमित जमानत दे दी गयी थी।यह भी स्मरणीय है कि हाल ही में अदालत द्वारा देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए पूरक आरोप पत्र दाखिल करने के लिए सीबीआई को समय दिया था। मई महीने में सीबीआई ने दिल्ली, गुरुग्राम, पटना, आरा, भोजपुर समेत नौ जगहों पर छापेमारी भी की थी। बिहार के पूर्व मंत्री प्रेमचंद गुप्ता के ठिकानों पर भी सीबीआई द्वारा छापेमारी की गयी थी। इस आरोपपत्र से तेजस्वी यादव भी आरोपितों की कतार में आ गये हैं। इससे उनकी अब तक की बेदाग छवि प्रभावित हुयी है और जनता के बीच उनका व्यक्तित्व दागदार हुआ है। स्वयं तेजस्वी में भी एक अपराध भावना न चाहते हुए भी आ जायेगी जो उनकी कार्यक्षमता को निश्चित रूप से प्रभावित करेगी।

सत्ता बनाम राष्ट्र

वीरेंद्र सिंह परिहार

3 जुलाई को मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहयोगियों से इस बात पर जोर दिया कि वह 2024 की बजाए 2047 पर ध्यान केंद्रित करें. प्रधानमंत्री की उक्त बात को लेकर कई सवाल खड़े होते हैं, 2024 में ही लोकसभा के चुनाव हैं, फिर भी मोदी के लिए 2047 ज्यादा महत्वपूर्ण है. उक्त संदर्भ में एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय कहां करते थे, राजनीति खुद के लिए या दल के लिए होने के बजाय देश के लिए होनी चाहिए.इंग्लैंड की भूतपूर्व प्रधानमंत्री मागरिटथैचर ने एक बार कहा था झराजनीतिज्ञों की दृष्टि में सत्ता होती है पर राजनेता की दृष्टि में आने वाली पीढ़ियां होती हैं. प्रधानमंत्री मोदी के उक्त कथन के निहितार्थ को इन्हीं संदर्भों में समझा जाना चाहिए. 2024 में तो सत्ता में आने का प्रश्न पैदा होता है, लेकिन जब 2047 की बात मोदी करते हैं तो उनके सामने पूरे देश को लेकर एक रोडमैप होता है. उनका सपना है कि 2047 तक भारत को पूरी तरह से एक शक्तिशाली, संपन्न एवं महान राष्ट्र तो बन ही जाना चाहिए, साथ ही उसे पुराने वैभव की ओर लौटाते हुए विश्वगुरु के आसन पर भी आसीन होना चाहिए. इसीलिए वह 2047 तक विकसित भारत की बात करते हैं, इसके तहत भारत का एक-एक गांव विकसित होगा.प्रधानमंत्री मोदी को यह अच्छी तरह पता है कि यह तभी संभव है, जब राजनीति देश के लिए हो, आने वाली पीढ़ियों के लिए हो. तभी तो वह कहते हैं कि 2047 तक यानी देश की स्वतंत्रता के ठीक 100 साल बाद भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है. इसके लिए वह बार-बार देश को लोकलुभावन योजनाओं को लेकर चेताते रहते हैं. लोगों की याददाश्त में अच्छी तरह होगा कि 7-8 महीने पूर्व जब श्रीलंका में भयावह आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया था, तब भी प्रधानमंत्री मोदी ने देश की जनता को चेतावनी देते हुए यह कहा था कि शॉर्टकट राजनीति का नतीजा शॉर्टसर्किट होता है. उन्होंने यह भी कहा था कि शॉर्टकट राजनीति करने वालों को ना तो मेहनत ही करनी पड़ती है और ना ही इसके के बारे में सोचना ही पड़ता है.जर्मनी और जापान का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा था की द्वितीय विश्व युद्ध में दोनों देश बर्बाद हो गए थे लेकिन वह बहुत जल्दी ही संपन्न और महान राष्ट्रों की श्रेणी मेंखड़े हो गए. लेकिन देश की आजादी के बाद ही शॉर्टकट राजनीति के चलते देश तबाह हो गया. इसी संदर्भ में 1 जुलाई को मध्यप्रदेश के शहडोल की सभा में उन्होंने कहा था कि झूठी गारंटी देने वालों से सावधान रहने की जरूरत है.उन्होंने यहां तक कहा था कि झूठी गारंटी देने वाले मात्र अपने परिवार को आगे बढ़ाना चाहते हैं. इसीलिए जनता को झूठी गारंटी देने वालों के खोट को पहचानना चाहिए.परिवारवादियों के पास देश को आगे ले जाने की गारंटी नहीं है. भ्रष्टाचारी भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रशासन नहीं दे सकते. देश विरोधी तत्वों के साथ बैठके करने वाले लोग आतंकवाद मुक्त भारत नहीं दे सकते. कुल मिलाकर प्रधानमंत्री मोदी कांग्रेस एवं दूसरे विपक्षी दलों की लोकलुभावन योजनाओं को लेकर देश को आगाह कर रहे थे. उनका बहुत स्पष्ट कहना था कि इसी के चलते देश के गरीबों को स्वतंत्रता के 70 सालों बाद भी भरपेट भोजन की गारंटी भी नहीं प्राप्त हो सकी. लोग महंगे इलाज से मुक्ति नहीं पा सके तो देश की महिलाओं को धुए से छुटकारा नहीं मिल सका. गरीब अपने पैरों पर नहीं खड़ा हो सका पर अब देश के 80 करोड़ लोगों को एक और जहां मुफ्त भोजन दिया जा रहा है, वही आयुष्मान योजना के तहत 50 करोड़ लोगों को चिकित्सा सुविधा दी जा रही है. देश में 10 करोड़ महिलाओं को उज्जवला योजना के तहत धुए से मुक्ति दिलाई गई है.

क्या महाराष्ट्र की 'सर्जिकल स्ट्राइक' मोदीशाही

राजेन्द्र शर्मा

हजार सवालों का एक सवाल यह है कि क्या महाराष्ट्र के अपने ताजातरीन खेल से और अगर दांव लगा तो बिहार समेत अन्य राज्यों में भी ऐसा ही खेल दुहराने के जरिए, मोदीशाही जनमत को फिर से अपने पक्ष में मोड़ सकती है। महाराष्ट्र के उदाहरण तक ही खुद को केंद्रित रखें, तब तो इस सवाल का जवाब एक जोरदार नहीं ही लगता है।

महाराष्ट्र में शिव सेना के बाद, अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को भी तोड़कर, उसके विधायकों के एक उल्लेखनीय हिस्से को जिस तरह भाजपा के पाले में खींचा गया है, उसका अनुमान भले ही किसी को नहीं रहा हो, पर उसमें अचरज शायद ही किसी को होगा। मोदीशाही में विपक्षी पार्टियों के साथ ही नहीं, भाजपा का साथ देती रही पार्टियों के साथ भी तोड़-फोड़ की यह स्क्रिप्ट इतनी बार और इतने रूपों में दोहरायी गयी है कि इसमें अब किसी को हैरानी नहीं होती। यहां तक कि इतनी बार पुनरावृत्ति के बाद अब तो भक्त मीडिया तक ने इसे "मास्टर स्ट्रोक" और "चाणक्य नीति" जैसे विशेषण देना भी बंद कर दिया है। सभी जानते हैं कि बिहार के पिछले अगस्त के शुरू के उलट-घटनाक्रम के बाद, भाजपा की चुनावेतर तिकड़मों की "जीतों" का सिलसिला ही नहीं रुक गया था, यह व्यापकतर संकेत भी गया था कि मोदीशाही के "खेलों" को शिकस्त भी दी जा सकती है। इसने मोदीशाही-विरोधी ताकतों को एकजुट करने जरूरत और इस एकजुटता की कामयाबी की संभावनाओं को और रेखांकित कर दिया। इसके बाद, पिछले वर्ष के आखिर में हुए गुजरात तथा हिमाचल के विधानसभाई चुनावों तथा दिल्ली के नगर निगम चुनावों में, मोदीशाही की हिमाचल तथा दिल्ली की पराजयों को, गुजरात की उसकी इकतरफा जीत से भी दबाया नहीं जा सका। जहां दिल्ली की मोदीशाही की हार, 2020 के आरंभ में दिल्ली के विधानसभाई चुनाव में उसकी करारी हार को ही दुहराती थी, वहीं हिमाचल की उसकी हार के संकेत, सिर्फ एक राज्य की सरकार उसके हाथ से निकल जाने से कहीं गहरे थे। यह मोदीशाही द्वारा गढ़े गए इस मिथक के दरकने शुरूआत थी कि वह जहां सत्ता में है, उसे नहीं हराया जा सकता है; खासतौर पर कांग्रेस सीधे मुकाबले में तो हर्गिज नहीं हरा सकती है।

यातायात प्रभारी ने नियमों के प्रति किया जागरूक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। शहर के ट्रैफिक चैराहे पर यातायात नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई को यातायात प्रभारी मनोज कुमार ने जांच अभियान चलाया। अभियान के तहत दोपहिया वाहन चालकों की हेलमेट पहनने की जांच और चारपहिया वाहनों में सीटबेल्ट लगाने के नियम का पालन करने की जांच की।

बुधवार को यातायात प्रभारी मनोज कुमार ने कहा कि यातायात नियमों का पालन बहुत जरूरी है। इसका उल्लंघन घातक हो सकता है। अभियान से लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। सख्त हिदायत देकर नियमों के पालन को प्रेरित किया।

यातायात प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि जांच अभियान से लोग जागरूक हो रहे हैं। शहर में जागरूकता आने से जाम से भी निजात मिल रही है। लोगों को यातायात सुविधा और बेहतर यात्रा के अनुभव मिलेंगे। शहरवासियों से अपील किया कि वे यातायात नियमों का पालन करें और अपनी सुरक्षा और सभी यात्रियों की सुरक्षा को महत्व दें।

दुष्कर्म पाक्सो एक्ट समेत दो वांछित दबोचे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में चैकी प्रभारी सरैंया चन्द्रमणि पाण्डेय की टीम ने दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के मामले वांछित शिवम मिश्रा पुत्र संतोष कुमार मिश्रा निवासी मालिन टंकी खरौंध को गिरफ्तार किया। टीम में चैकी प्रभारी सरैंया चन्द्रमणि पाण्डेय, सिपाही दुर्गेश कुमार शामिल रहे।

इसी क्रम में थानाध्यक्ष भरतकूप सूबेदार बिन्द की अगुवाई में दरोगा शैलेन्द्र कुमार सिंह की टीम ने वारंटी रामपाल पुत्र रामसनेही निवासी खोह का पुरवा मजरा मानपुर को गिरफ्तार किया। टीम में दरोगा शैलेंद्र कुमार सिंह, सिपाही राकेश कुमार शामिल रहे।

दो के कब्जे से 54 क्वार्टर देशी शराब बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में पुलिस ने दो के कब्जे से 54 क्वार्टर देशी शराब बरामद की।

बुधवार को भरतकूप थाने के दरोगा इमरान खान की टीम ने श्रीमती रानी पत्नी बब्बू शिवहरे निवासी अमर ज्योति डफाई अकबरपुर को 30 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में दरोगा दिनेश कुमार पाण्डेय, सिपाही अतुल मिश्रा शामिल रहे। बरगढ थाने के दरोगा गुरुबचन सिंह सरोज की टीम ने छोटेलाल पुत्र गुल्जार सिंह निवासी कटैयाडांडी के कब्जे से 24 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में दरोगा गुरुबचन सिंह सरोज, सिपाही चन्दन शामिल रहे।

गांजा तस्कर को हुई 12 वर्ष की सजा, डेढ लाख का हुआ जुमार्ना

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। न्यायालय में लम्बित चल रहे वाद में पैरवी कर अपराधियों को सजा दिलाने को पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निदेर्शों के अनुपालन में कर्वी कोतवाल गुलाब त्रिपाठी एवं पैरोकार अमरेन्द्र प्रताप सिंह की पैरवी एवं सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सनद कुमार मिश्रा की बहस के नतीजतन न्यायालय अपर जनपद न्यायधीश/एफटीसी (न्यू) सुशील कुमार वर्मा ने कोतवाली कर्वी में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के आरोपी अरुण कुमार द्विवेदी पुत्र शिव नरेश द्विवेदी निवासी नैनी थाना राजापुर को 12 वर्ष के कारावास तथा डेढ लाख रुपये के जुमार्ना से दण्डित किया। उल्लेखनीय है कि 27 जुलाई 2017 को दरोगा बिहागर सिंह की टीम ने अरुण कुमार द्विवेदी को एक कुंतल आठ किलो गांजा समेत गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ कोतवाली कर्वी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। विवेचक संतशरण सिंह ने आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था।

दहेज हत्या में मां-बेटे को हुई उम्रकैद, विशेष न्यायाधीश ने 27-27 हजार का किया जुमार्ना

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। दहेज हत्या के मामले में त्वरित न्यायालय ने मां-बेटे को उम्र कैद की सजा सुनाई है। प्रत्येक को 27 हजार रुपये के जुमार्ना से भी दंडित किया है। बुधवार को सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी गोपाल दास ने बताया कि रैपुरा थाने के अगरहुंडा गांव के शंकर दयाल ने बेटी गेंदिया की शादी जून 2016 में पहाड़ी थाने के चिल्लामाफी गांव के पप्पू पुत्र अवधेश से की थी। शादी के बाद से पति पप्पू और सास सुशीला दहेज को लेकर उत्पीड़न करते थे। गेंदिया को पति और सास ने दो अप्रैल 2019 को आग से जला दिया। कुछ दिन तक सतना में इलाज के बाद घर ले आए। इलाज कराना बंद कर दिया। वह बेटी को लेकर बांदा इलाज कराने गया, किंतु वहां गेंदिया की मौत सात मई 2019 को हो गई। सूचना के बाद कोई सुनवाई न होने पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय ने धारा 156(3) के प्रार्थना पत्र को मंजूर करते हुए पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना के आदेश दिए। विवेचना के बाद आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद त्वरित न्यायालय के विशेष न्यायाधीश/अपर जिला जज संजय कुमार ने दहेज हत्या का दोषसिद्ध होने पर आरोपी मां सुशीला व बेटे पप्पू को उम्रकैद की सजा सुनाई। प्रत्येक को 27 हजार रुपये के जुमार्ना से दंडित किया।

बाढ क्षेत्रों का दौरा कर अभी से सुनिश्चित करें व्यवस्थायें: डीएम

बाढ को लेकर डीएम ने प्रभावित क्षेत्रों को दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद व पुलिस अधीक्षक वृन्दा शुक्ला की मौजूदगी में बाढ़/सूखा की तैयारी बाबत समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सेना के जवान जिले में आए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का आकलन भी कर रहे हैं।

बुधवार को कलेक्टेज्ट सभागार में जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सिंचाई से जलस्तर की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिशासी अभियंता सिंचाई को निर्देश दिए कि मप्र से तालमेल बनाकर रखें। राजापुर व मऊ दो तहसीलें प्रभावित हैं। सभी लोगों को मनोयोग से कार्य करना होगा। जो जर्जर घर हो गए हैं, वह लेखपालों व सचिवों से चिन्हित कराए। उन्होंने ईओ नगर पालिका को निर्देश दिए कि ऐसे घर सर्वे कर चिन्हित कराए। सभी उप जिलाधिकारियों व अधिशासी अधिकारियों को बाढ़ से सतर्क रहने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि राजापुर व मऊ में बिजली की व्यवस्था का सर्वे कराकर व्यवस्था कराएं। जहां पर शिविर होगा वहां जनरेटर, मोमबत्ती व टार्च की व्यवस्था कराएं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में खाद्यान्न आपूर्ति को डीएसओ को निर्देश दिये कि ई-टेंडरिंग की व्यवस्था पहले से कर लें। बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर मेडिकल किट की व्यवस्था सीएमओ कराएंगे। शिविर स्थल के क्षेत्र में प्रभावित बाढ़ क्षेत्र में आवश्यक दवाओं का छिड़काव की व्यवस्था कराएं। तहसीलदारों को निर्देश दिये कि आवागमन को नाव, नाविकों व मोबाइल नंबर भी शेयर करें। अधिशासी अभियंता सिंचाई से कहा कि बाढ़ का लेबल बढ़ने पर समय-समय पर अवगत कराते रहें।

तहसीलदार मऊ व राजापुर को निर्देश दिये कि जो घाट चलता है वहां पर लेवल बढ़ने पर आवागमन रोक दिया जाए। संबंधित उपजिलाधिकारियों व पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई जाता है तो इसमें क्वाड्रेंट कर लाइफ जैकेट पहनकर जाने दिया जाए। तहसीलदार को निर्देश दिए कि आवश्यक सामग्री चिन्हित स्थल पर पहुंचायें। अधिशासी अभियंता सिंचाई संवेदनशील तटबंध का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था करें। इस मौके पर सीडीओ अमृतपाल कौर, एडीएम कुंवर बहादुर सिंह, एसडीएम राजबहादुर, डीपीआरओ कुमार अमरेंद्र, डीडीओ राज कुमार त्रिपाठी, सूबेदार मेजर एसके सैनी, सूबेदार रविंद्र, हवलदार कुंदन सिंह समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं को मिलेगा निःशुल्क कोचिंग सुविधा का लाभ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। केंद्रीय विद्यालय अभिभावक संघ के अध्यक्ष/समाजसेवी राजकिशोर शिवहरे ने बेरोजगार युवक-युवतियों का भविष्य संवारने को निःशुल्क अभ्युदय कोचिंग सुविधा देने को भागीरथ प्रयास कहा है। यहां के मेधावियों का भविष्य संवारने को शासन-प्रशासन से पैरवी कर कोचिंग सुविधा देने में अहम भूमिका निभाई है। मंगलवार को योगी सरकार ने निःशुल्क अभ्युदय कोचिंग सुविधा हर जिले में दी थी। जिले के छात्र-छात्राओं को कोचिंग को बांदा जाने में निःशुल्क अभ्युदय कोचिंग महंगी साबित हो रही थी। छात्र-छात्राएं ऑनलाइन विकल्प को भी अपनाते थे। मोबाइल रिचार्ज महंगा पड़ता था। नेटवर्क की प्रॉब्लम होती थी। समस्याओं से निजात दिलाने को जिले के छात्र-छात्राओं को समर्पित शिक्षा के प्रहरी राजकिशोर शिवहरे ने निःशुल्क कोचिंग का लाभ दिलाने को पहल की थी।

उन्होंने जिले में शुरू कराने को प्रयास किए थे। नतीजतन कोचिंग शुरू तो हुई, छात्रों को यहां भी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा था। जिले में अव्यवस्थाओं के शिकार पुस्तकालय को हाईटेक एवं अभ्युदय कोचिंग चलाने को मार्च 2022 से समाज कल्याण विभाग से मिलकर खामियां बताई। जिलाधिकारी को भी जानकारी दी। जिला विद्यालय निरीक्षक से जिलाधिकारी ने पुस्तकालय समेत हाल की जानकारी मांगी।

शिव मन्दिरों में जलाभिषेक को श्रद्धालुओं को न हो परेशानी

डीएम-एसपी ने मत्स्यगयेन्द्रनाथ मन्दिर का लिया जायजा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द व पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने श्रावण मास में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो व सोमवार को शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने में समस्या न आये, इसे देखते हुए रामघाट स्थित मतगयेद्रनाथ मंदिर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बुधवार को डीएम-एसपी ने एसडीएम कर्वी, सीओ सिटी व कर्वी कोतवाल, चैकी प्रभारी सीतापुर से कहा कि श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को शिव मंदिर में जलाभिषेक को आने वाले श्रद्धालुओं को फूड प्लाजा की ओर से आने की व्यवस्था की जाए। शिव मंदिर में जल चढ़ाने के बाद निमोर्ही अखाड़ा के रास्ते से जाने की व्यवस्था करायें। ईओ नगर पालिका को निर्देश दिए कि बैरिकेडिंग कराकर महिला-पुरुष के मंदिर में जल चढ़ाने को चढ़ने-उतरने की अलग व्यवस्था करायें। जिलाधिकारी ने ईओ से कहा कि रामघाट में सफाई व्यवस्था सही नहीं है।

अच्छे से साफ-सफाई कराई जाए। सीसीटीवी कैमरा लगातार रामघाट पर चलते रहें। खोया पाया केंद्र पर डिस्प्ले चलायें। शौचालय भी साफ करायें। पुलिस अधीक्षक से कहा कि खोया पाया केंद्र पर पुलिस चैकी बनाई जाए। अधिशासी अभियंता विद्युत से कहा कि रामघाट शिव मंदिर एवं जिले के अन्य सभी शिव मंदिरों में विद्युत व्यवस्था देख लें। अधिशासी अभियंता सिंचाई से कहा कि मंदाकिनी गंगा में गोताखोर नाव बैरिकेडिंग फ्लैश बोर्ड लगायें।

निरीक्षण में एडीएम कुंवर बहादुर सिंह, एसडीएम सदर राजबहादुर, सीओ सिटी हर्ष पांडेय, अधिशासी अभियंता सिंचाई आशुतोष कुमार, विद्युत आरएस वर्मा, ईओ लालजी यादव, कोतवाल गुलाब त्रिपाठी, चैकी प्रभारी सीतापुर जनार्दन प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

एकाधिकार वादी मानसिकता के बीच होगा लोकसभा चुनाव: अनिल प्रधान

सपा जिलाध्यक्ष ने बताये सपा मुखिया के निर्देश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सपा जिला कार्यालय में अध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव की अध्यक्षता में दोनों विधानसभाओं के विधानसभा अध्यक्षों समेत वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक में सपा मुखिया अखिलेश यादव के निदेर्शों की बाबत जानकारी दी गई। भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी विपक्षी एकता को देखकर बौखलाहट की भाषा में मयार्दा भूल गये हैं। जनता को धोखा देना, झूंठे प्रचार को बढ़ावा देना भाजपा का राजनीतिक एजेंडा बन चुका है। राजनीति की नैतिकता और निष्पक्षता को नष्ट करने की साजिश है।

बुधवार को सपा जिला कार्यालय में सपा अध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव ने कहा कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के संवैधानिक अधिकारों पर कुठाराघात हो रहा है। आगामी 2024 लोकसभा चुनाव में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक भाजपा को मुंह तोड़ जवाब देने का काम करेगा। सपा आंदोलन से जन्मी पार्टी है। पार्टी का बूथ स्तर का संगठन बेहद मजबूत है। सपा मुखिया अखिलेश यादव की सोच विकासवादी है। वह लोहिया-अंबेडकर के सपनों का भारत बनाना चाहते हैं।

सदर विधायक अनिल प्रधान ने कहा कि भाजपा महंगाई, बेरोजगारी, किसानों, महिलाओं की समस्याओं पर बात नहीं करना चाहती। 2024 लोकसभा चुनाव लोकतंत्र संविधान और अपने को सर्वोपरि दिखाने की एकाधिकार वादी मानसिकता के बीच चुनाव होगा। प्रधान ने कहा कि भाजपा का नारा सबका साथ सबका विकास एक ढोंग है। दलित, पिछड़ा, शोषित समाज और महिलाओं को गुमराह करने की साजिश है। भगवान राम की कर्म स्थली चित्रकूट विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य के मामले में जो कार्य सपा सरकार में हुए थे, वहीं पर रुके हैं। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद गुलाब खां, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र यादव, विधानसभा अध्यक्ष राजा बाबू यादव, श्याम बिहारी यादव ने भी विचार व्यक्त किए। बैठक में सीताराम कश्यप, सियाराम गुप्ता, उमाकांत यादव, विक्की यादव, कोषाध्यक्ष राजा यादव, रमेश यादव, मेघराज प्रजापति, शीलू यादव, सरनाम यादव, गोपीचंद्र यादव, रामसूहावन यादव, राजबहादुर निषाद, सत्यम यादव, मानसिंह पटेल, राजकिशोर विश्वकर्मा, राजेंद्र यादव, बाबा रामशरण दास, कुलदीप यादव, छोटू यादव, अमरजीत यादव, बरेलला यादव, वीरेंद्र राजपूत आदि मौजूद रहे।

छात्रावास को 30 तक करें आवेदन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया ने बताया कि समाज कल्याण विभाग लखनऊ से संचालित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों में शासनादेश 2023-24 में प्रवेश को आवेदन मांगे गये हैं। अनुसूचित जाति एवं जनजाति, पिछड़ा वर्ग/सामान्य वर्ग एवं विकलांग छात्रों को राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास (बालक) बेडीपुलिया एवं मऊ में रहने को आवासीय सुविधा उपलब्ध है।

बुधवार को उन्होंने बताया कि छात्रावास में रहने के इच्छुक छात्र किसी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्था में नियमित दशमोत्तर/उच्च कक्षाओं में शिक्षा ग्रहण कर रहें हैं। छात्रावास में प्रवेश को 30 जुलाई तक आवेदन पत्र राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास बेड़ीपुलिया एवं राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास मऊ के कार्यालय में समय से प्राप्त व जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी को गरुण मौर्य अधीक्षक छात्रावास से मो नं 9935915480 पर सम्पर्क करें।

दो दम्पतियों के विवाद को पुलिस ने सुलझाया

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर सामाजिक रिश्तों को बचाने को जारी प्रयास में पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र पुलिस टीम ने दो दम्पतियों के आपसी विवाद को समाप्त कराकर परिवार को टूटने से बचाया।

बुधवार को कोतवाली कर्वी के गढीवा गांव की श्रीमती पूजा यादव पुत्री कामता प्रसाद तथा शिवरामपुर की बिन्दमति पत्नी रामप्रकाश ने पुलिस अधीक्षक को दिये पत्र में कहा कि पति उनके साथ मारपीट एवं गाली-गलौज करते हैं। पुलिस अधीक्षक ने पत्रों को निस्तारण को प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र निरीक्षक श्रीमती रीता सिंह के पवास भेजा। शिकायतकताओं की शिकायतों को विस्तार से समझकर दूसरे पक्ष को पुलिस कार्यालय बुलाया। दोनो पक्षों को भविष्य में विवाद न करने तथा पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करने की बात कही।

आपसी सुलह होने पर दोनों दम्पति ने प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को तालमेल से रहने का वायदा किया। दोनो पक्षों को पारिवारिक दायित्यों का सही ढंग से पालन करने की सलाह दी। टीम में प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र निरीक्षक श्रीमती रीता सिंह, महिला सिपाही सुरुचि चैधरी, रक्षा यादव, शिवांगनी श्रीवास्तव शामिल रहे।

फलदार पौधे लें किसान: डीएचओ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला उद्यान अधिकारी प्रतिभा पांडेय ने जिले के सभी किसानों से कहा कि उद्यान विभाग ने अमरूद, नींबू, कटहल, करौंदा, शरीफा, सहजन, बेल, बेर आदि फलदार पौधे राजकीय पौधशाला सपहा में निःशुल्क उपलब्ध है। जिन किसानों को फलदार पौधों की आवश्यकता है, वे अपना आधारकार्ड व खतौनी लेकर कार्यालय व राजकीय पौधशाला सपहा में अपना वाहन व मजदूर लेकर निःशुल्क फलदार पौधे प्राप्त कर सकते हैं।

रैपुरा पेयजल कार्यों की डीएम ने की समीक्षा, कार्यों में लायें तेजी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने जल जीवन मिशन योजना के तहत रैपुरा ग्राम समूह पेयजल के कार्यों की प्रगति की बाबत बैठक में इंटेकबेल, डब्ल्यूटीपी, सीडब्ल्यूआर, ओएचटी, रा-वाटर राइजिंग मेन, क्लियर-वॉटर राइजिंग मेन, वितरण प्रणाली, बाउंड्रीवाल निर्माण, स्टाफ क्वार्टर, पंप हाउस, ग्रह जल संयोजन आदि की समीक्षा की।

बुधवार को जिलाधिकारी ने कलेक्टेज्ट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे से कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों की लगातार समीक्षा कर प्रगति करायें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से कहा कि सभी स्कूलों का सर्वे कराकर 15 दिन के अंदर विद्यालयों में पेयजल कनेक्शन करायें। कार्यदायी संस्था जीबीपीवीआर के मैनेजर को निर्देश दिए कि कार्यों में तेजी लायें। शासन से कार्य पूर्ण करने की गाइडलाइन के अनुसार कार्यों को गुणवत्ता से करें।

बैठक में सीडीओ अमृतपाल कौर, एडीएम नमामि गंगे सुनंदू सुधाकरण, डीडीओ आरके त्रिपाठी, परियोजना प्रबंधक जल निगम ग्रामीण संजय कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी शैलेश कुमार, सहायक कोषाधिकारी अवधेश प्रताप सिंह, बीएसए लव प्रकाश यादव, डीपीआरओ कुमार अमरेंद्र, उप प्रभागीय वनाधिकारी हरिशंकर सिंह समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया जागरूक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पहाडी ब्लाक के स्व रघुवीर प्रसाद कन्या इंटर कालेज में जनकल्याण शिक्षण प्रसार समिति के सचिव शंकरदयाल ने पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम में कहा कि यहां बहुत तीर्थयात्री आते हैं। प्लास्टिक कचरा से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी।

बुधवार को हुए कार्यक्रम में डॉ प्रभाकर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण बहुत जरूरी है। गांव, शहर, समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करेंगे। आलोक द्विवेदी ने कहा कि किसान भाई खेतों में रासायनिक खाद की जगह जैविक खाद का प्रयोग करें। सर्वोदय सेवा आश्रम के निदेशक अभिमन्यु सिंह ने कहा कि गांव में गरीबी कम करने को पेयजल संकट से बचना है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाकर पांच फलदार वृक्ष लगाने को कहा। घरों में पोषण वाटिका बनाने को प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ समेत बच्चे मौजूद रहे।

झमाझम बारिश की कामना को लेकर बुंदेली सेना ने किया जलाभिषेक, जारी है परम्परा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पिछले एक दशक की परम्परा के अनुसार बुंदेली सेना ने पुलघाट कर्वी स्थित शिव मंदिर में भोलेनाथ का 121 घड़े मन्दाकिनी नदी के जल से अभिषेक किया। प्रति वर्ष क्षेत्र में झमाझम मानसूनी बारिश की कामना को लेकर अभिषेक किया जाता है।

बुधवार को बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि प्रतिवर्ष पुलघाट कर्वी में मन्दाकिनी नदी के जल से भोलेनाथ के अभिषेक की परम्परा रही है। इस वर्ष टीम के अहम सदस्य कर्वी माफी प्रधान बद्री सिंह की माता के देहांत की वजह से कार्यक्रम 15 दिन टल गया था। सावन के पहले दिन मंगलवार की देर शाम 121 घड़े मन्दाकिनी नदी के जल से शिव का अभिषेक कर पूजन किया गया। सामूहिक रूप से क्षेत्र में झमाझम मानसूनी बारिश की कामना की गई।

इस मौके पर कर्वी माफी प्रधान बद्री सिंह, वीपी पटेल, जानकीशरण गुप्ता, अतुल सिंह, राम प्रकाश पाल, धर्मेंद्र ओझा और सुरेंद्र सिंह शेरा मौजूद रहे।

रक्सौल-काठमांडू रेल परियोजना की सर्वेक्षण रिपोर्ट भारत ने नेपाल को सौंपी

काठमांडू। रक्सौल-काठमांडू रेल परियोजना की ड्राफ्ट लोकेशन सर्वेक्षण रिपोर्ट भारत ने नेपाल को सौंप दी है। नेपाल का भौतिक अवसंरचना मंत्रालय अब इसका अध्ययन करेगा। भौतिक अवसंरचना मंत्रालय के संयुक्त सचिव अर्जुनजंग थापा ने यह जानकारी दी।

संयुक्त सचिव थापा ने बताया कि इसके अध्ययन के लिए गुरुवार तक कमेटी का गठन हो जाएगा। भारत ने इसे अंतिम रूप देने के लिए नेपाल से राय मांगी है। नेपाल अध्ययन के बाद अपने सुझावों के साथ रिपोर्ट भारत के कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड को सौंपेगा। अक्टूबर 2021 में इस परियोजना की रिपोर्ट तैयार करने के लिए भारत और नेपाल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। भारत की सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक इस परियोजना की कुल लंबाई 136 किलोमीटर होगी। भारत के रक्सौल से नेपाल के बारा जिले के निजगढ़ से ललितपुर जिले के खोकना तक (40 किलोमीटर) सुरंग और 35 पुल बनेंगे। अभी रक्सौल से काठमांडू के बीच सड़क मार्ग से दूरी करीब 190 किलोमीटर है। नई रेल लाइन बन जाने से यह दूरी घटकर 136 किलोमीटर रह जाएगी। इससे यात्रा में समय की बचत होगी और किराया भी सड़क मार्ग की तुलना में कम होगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत 16 हजार 550 करोड़ रुपये है।

पाकिस्तान में बाढ़ का कहर, नौ घंटे में 272 मिलीमीटर बारिश से लाहौर जलमग्न

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अब बाढ़ कहर बनकर टूट पड़ी है। लाहौर में नौ घंटे में हुई 272 मिलीमीटर बारिश से पूरा शहर जलमग्न हो गया है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बाढ़ के कारण तीन लोगों की मौत हो गयी और सैकड़ों लोग बेघर हो गए।पाकिस्तान में सलगातार बारिश से बाढ़ मुसीबत बन गयी है। लाहौर में बुधवार को लगातार हुई बारिश ने पिछले तीन दशक के रिकॉर्ड तोड़ दिया। पंजाब के मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि लाहौर में केवल नौ घंटों में 272 मिमी बारिश के कारण शहर में बाढ़ आ गई है, जबकि भारी बारिश के बाद नहर उफान पर है। उन्होंने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल के सभी सदस्य और प्रशासन पानी साफ़ करने के लिए मैदान में हैं। वे स्वयं भी क्षेत्र में स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और पूरे लाहौर से लगातार अपडेट ले रहे हैं।

लाहौर की जल एवं स्वच्छता एजेंसी के अनुसार शहर के लक्ष्मी चौक क्षेत्र में 259 मिमी, निश्तर टाउन में 258 मिमी, गुलशन-ए-रवी में 251 मिमी, जौहर टाउन में 250 मिमी, कुर्तबा चौक में 241 मिमी, ताजपुरा में 238 मिमी, पाना वाला तालाब में 222 मिमी और इकबाल टाउन में 221 मिमी बारिश हुई। सुबह से शुरू हुई बारिश ने शहर को अस्त-व्यस्त कर दिया, क्योंकि सभी प्रमुख सड़कों और संपर्क मार्गों पर पानी भर गया, जिससे आवागमन असंभव हो गया। घुटनों तक पानी भर जाने के कारण सड़कों पर कई वाहन खराब हो गए।शाह जमाल और ताजपुरा के निचले इलाकों में बारिश का पानी घरों में घुस गया। इस कारण बिजली की आपूर्ति बंद हो जाने के कारण जीवन और दयनीय हो गया। पाकिस्तान के अन्य हिस्से भी बाढ़ का कहर झेल रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के विभिन्न जिलों में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई।

अमेरिकी पत्रकार गेर्शकोविच की रूसी हिरासत से जल्द हो सकती है रिहाई, वार्ता में कैदियों की अदला-बदली संभव

मॉस्को। रूस की हिरासत में 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' के अमेरिकी पत्रकार इवान गेर्शकोविच (31) की जल्द रिहाई कर अमेरिका को सौंपे जाने की संभावना है। रूस ने कैदियों की एक संभावित अदला-बदली के सिलसिले में बातचीत के लिए मंगलवार को विकल्प खुले रखे, लेकिन यह भी कहा कि इस तरह की वार्ता बंद कमरे में होनी चाहिए। जासूसी के आरोप में मार्च से रूस की जेल में बंद गेर्शकोविच से अमेरिकी राजदूत लिन ट्रेसी को मिलने दिया गया था। कैदियों की अदला-बदली के सवाल पर क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि मास्को और वाशिंगटन इस मुद्दे पर संपर्क में हैं। पेस्कोव ने संवाददताओं से कहा कि हमने कहा है कि इस मुद्दे पर कुछ बात की गई है, लेकिन हम उन पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करना नहीं चाहते। उन्होंने अधिक विवरण दिये बगैर कहा कि राजनयिकों के संपर्क करने के विधिक अधिकार दोनों पक्षों द्वारा सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अमेरिकी नागरिक को मार्च के अंत में तब गिरफ्तार किया गया था, जब वह 'रिपोर्टिंग' के लिए रूस आए थे। मॉस्को की एक अदालत ने पिछले महीने उन्हें 30 अगस्त तक हिरासत में भेज दिया था। बचाव पक्ष के वकीलों ने इस फैसले को चुनौती दी है। गेर्शकोविच को मॉस्को की लेफोर्टोवो जेल में रखा गया है, जो अपनी कठोर परिस्थितियों के लिए कुख्यात है।

चीन में मौसम का कहर : प्रचंड गर्मी के साथ कई शहरों में बाढ़ का प्रकोप, राष्ट्रपति शी ने अफसरों को दिए निर्देश

बीजिंग। चीनी अधिकारियों ने आने वाले महीनों में गर्मी के चरम पर पहुंचने और अन्य आपदाओं की चेतावनी दी है। मौजूदा समय में भारी बारिश के कारण चीन को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा है। हजारों लोगों को अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा।

जिनपिंग का निर्देश

बाढ़ के कारण चीन को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा है, जिसके बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सरकारी अधिकारियों को सुरक्षा और संपत्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। जिनपिंग ने राज्य बाढ़ नियंत्रण और आपातकालीन प्रबंधन और जल संसाधन मंत्रालयों को एक साथ मिलकर समन्वय और परामर्श के साथ काम करने को कहा है।

भारी बारिश के कारण शहरों में अलर्ट जारी

चीनी मीडिया के अनुसार मध्य और दक्षिण-पश्चिमी चीन में भारी बारिश के कारण अलर्ट जारी किया गया था। मौसम विभाग ने जुलाई में बाढ़, आंधी और उच्चतम तापमान जैसी कई प्राकृतिक आपदा की चेतावनी दी है। मूसलाधार बारिश के कारण महानगर चोंगकिंग में एक रेलवे पुल क्षतिग्रस्त हो गया। पुल को ठीक करने के लिए 400 से अधिक आपातकालीन कर्मियों को भेजा गया। बारिश के कारण सिचुआन में 460,000 लोग प्रभावित हुए हैं।

अधिकारी ने बताया कि मध्य हेनान प्रांत में बाढ़ के कारण 10,000 लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। बाढ़ में 2,000 से भी ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हो गए। शान्शी प्रांत में मुसलाधार बारिश के कारण दर्जनों घर और सड़क बर्बाद हो गए।

वैज्ञानिकों ने बताया बढ़ते तापमान का कारण

वैज्ञानिकों ने बढ़ते तापमान का मुख्य कारण जीवाश्म ईंधन को बताया है। उन्होंने कहा कि ये ईंधन दुनिया भर में मौसम की स्थिति को खराब कर रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में कई देशों ने घातक गर्मी का अनुभव किया है।

चीन में भारी गर्मी के बीच बाढ़ आई हुई है। राष्ट्रीय मौसम विभाग ने राजधानी बीजिंग के निवासियों को 35 डिग्री तापमान के साथ घरों के भीतर रहने की चेतावनी दी है। चीन में इस साल हर महीने औसतन 4.1 दिन तापमान दर्ज किया गया है। चीनी मीडिया के अनुसार जून में बीजिंग में 14 दिनों तक तापमान 35 डिग्री से अधिक रहा तो यह जुलाई 2000 के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेगा।

बाइडन की गैरमौजूदगी में व्हाइट हाउस में मिला कोकीन, एजेंसियों में हड़कंप

वाशिंगटन। अमेरिका के व्हाइट हाउस में रात गुप्त सेवा के अधिकारियों की गश्त के दौरान संदिग्ध सफेद पाउडर मिलने से हलचल मच गई। अधिकारियों ने आनन-फानन में भवन को बंद करवा दिया और जांच पड़ताल की। शुरुआती जांच में पता चला है कि पाउडर कोकीन है। हालांकि, जब व्हाइट हाउस में यह सब घटना घटी, उस समय बाइडन वहां मौजूद नहीं थे।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाउडर वेस्ट विंग में पाया गया था, लेकिन ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। बता दें, वेस्ट विंग उस कार्यकारी हवेली से जुड़ा हुआ है, जहां राष्ट्रपति जो बाइडन रहते हैं। इसमें ओवल कार्यालय, कैबिनेट कक्ष और प्रेस क्षेत्र, और राष्ट्रपति के कर्मचारियों के लिए कार्यालय और कार्यक्षेत्र हैं। सैकड़ों लोग नियमित रूप से वेस्ट विंग में

काम करते हैं या आते हैं।

गुप्त सेवा के अधिकारियों ने बताया कि रविवार को वेस्ट विंग के अंदर एक अज्ञात वस्तु पाई गई, जिसके बाद एहतियात के तौर पर व्हाइट हाउस परिसर को अस्थायी रूप से बंद करवा दिया गया था। बाद में वस्तु की जांच की गई, जिसकी पहचान कोकीन के रूप में की गई।

एक अधिकारी ने बताया कि फायर डिपार्टमेंट को भी यह निर्धारित करने के लिए बुलाया गया था कि यह कोई खतरनाक वस्तु तो नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सफेद पाउडर व्हाइट हाउस में कैसे आया, इसके कारण और तरीके की जांच की जा रही है।

नीदरलैंड सरकार का बड़ा फैसला; स्कूलों में मोबाइल-स्मार्टवॉच पर लगेगा प्रतिबंध, यूके भी सहमत

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड सरकार अगले साल तक स्कूलों में मोबाइल फोन, टैबलेट और स्मार्टवाच के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाली है। उनका मानना है कि ये चीजें छात्रों की पढ़ाई में बाधा बन रहे हैं, जिस वजह से उनपर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है।

स्कूल अधिकारियो से इस मामले में आभिभावकों और शिक्षकों से सहमति जुटाने के लिए कहा गया है। नीदरलैंड सरकार ने कहा पढ़ाई के बीच मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चों पर हानिकारण प्रभाव पड़ता है और इसका परिणाम तेजी से बढ़ रहा है। इन उपकरणों के कारण छात्र ध्यान केंद्रित करने में कम सक्षम होते हैं, जिसका प्रभाव सीधे उनके प्रदर्शन पर पड़ता है। इसी वजह से एक जनवरी 2024 से स्कूलों में मोबाइल फोन, स्मार्टवाच और

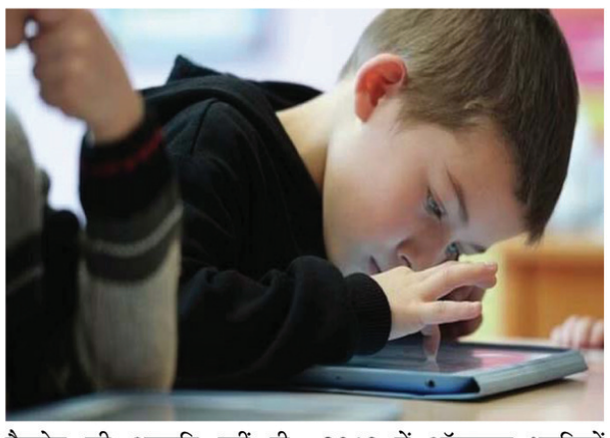

टैबलेट की अनुमति नहीं दी जाएगी। सरकार ने इस पर अभिभावक और शिक्षकों को इस मामले में सहमत होने के लिए अक्तूबर तक का समय दिया है।

नीदरलैंड के शिक्षा मंत्री रॉबर्ट डिकग्राफ ने बताया कि इस फैसले सांस्कृतिक परिवर्तन आएगा। इससे पहले फ्रांस ने 2018 में ऑनलाइन धमकियों को रोकने के लिए प्राइमरी और मिडिल स्कूल में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाया था। यूके ने भी इस तरह के प्रतिबंध को सही बताया था। यूके के शिक्षा मंत्री ने कहा कि अधिकांश स्कूलों में मोबाइल फोन का इस्तेमाल पहले से ही प्रतिबंधित है।

गर्मी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड: दुनिया का अबतक का सबसे गर्म दिन रहा 3 जुलाई, वैज्ञानिक बोले- यह मौत की सजा है

वाशिंगटन। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। बढ़ती गर्मी से पूरी दुनिया हाल बेहाल है। इस बीच, अमेरिका के नेशनल सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल प्रेडिक्शन ने गर्मी को लेकर एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया है कि वैश्विक स्तर पर 3 जुलाई अब तक का सबसे गर्म दिन रहा। वैज्ञानिकों ने कहा कि बढ़ती गर्मी कोई जश्न नहीं, बल्कि लोगों के लिए मौत की सजा है।

सात साल पहले का रिकॉर्ड टूटा

बता दें, दुनिया भर में चल रही लू के कारण सोमवार को औसत वैश्विक तापमान 17.01 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इस तापमान ने साल 2016 में बने पिछले रिकॉर्ड 16.92 डिग्री सेल्सियस को पीछे छोड़ दिया है।

वहीं, दक्षिणी अमेरिका हाल के सप्ताहों में भीषण गर्मी से जूझ रहा है। इसके अलावा, चीन में भी लोग गर्मी की मार झेल रहे हैं। यहां 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान बना हुआ है। वहीं, उत्तरी अफ्रीका में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया है। परेशान करने वाली बात यह है कि जहां सर्दियों का मौसम है, वहां भी गर्मी महसूस की जा रही है।

सर्दी के मौसम में भी गर्मी की मार

रिपोर्ट में कहा गया है कि अंटार्कटिका में इस समय सर्दियों का मौसम है, लेकिन यहां असामान्य रूप से उच्च तापमान दर्ज किया गया है। अर्जेंटीना द्वीप समूह में यूक्रेन के वर्नाडस्की रिसर्च बेस ने हाल ही में 8.7 डिग्री सेल्सियस के साथ अपने जुलाई तापमान रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

वैज्ञानिकों ने बताया कारण

ब्रिटेन के जलवायु वैज्ञानिक फ्रेडरिक ओटो ने बढ़ते तापमान को लेकर कहा कि यह कोई मील का पत्थर नहीं है, जिसका हमें जश्न मनाना चाहिए। यह लोगों के लिए मौत की सजा है। वहीं, अन्य वैज्ञानिकों ने कहा कि जलवायु परिवर्तन इसके लिए जिम्मेदार है। शोधकर्ताओं का मानना है कि अल नीनो नामक प्राकृतिक मौसम घटना और इंसानों की ओर से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के संयोजन से गर्मी बढ़ रही है। बता दें, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान बढ़ने की घटना 'अल नीनो' कहलाती है।

सऊदी अरब में पूजा स्थल पर हमले के दोषी पांच अपराधियों को सामूहिक फांसी दी गई

रियाद। सऊदी अरब में के साथ पांच अपराधियों को एक साथ मौत की सजा दी गयी है। सऊदी अरब के चार और मिस्र के एक नागरिक को सामूहिक फांसी दी गयी। ये लोग एक पूजा स्थल पर हमले के दोषी थे। इस हमले में पांच लोगों की मौत हुई थी और अनेक लोग घायल हुए थे।

पांच लोगों को सामूहिक फांसी दिए जाने के साथ ही इस साल सऊदी अरब में मौत की सजा दिए जाने की कुल संख्या 68 तक पहुंच गई है। आतंकवाद से संबंधित अपराधों के लिए मई की शुरुआत से अब तक 20 से अधिक फांसी दी जा चुकी हैं। मई के अंत में आतंकवाद के दोषी बहरीन के दो नागरिकों को मौत की सजा दी गयी थी। पिछले साल सऊदी अरब ने कुल 147 लोगों को फांसी दी गई थी, जबकि साल 2021 में 69 लोगों को मौत की सजा दी गई थी। मार्च, 2022 में आतंकवाद से संबंधित अपराधों के लिए एक ही दिन में 81 लोगों को फांसी दी गई थी। इससे पहले सबसे अधिक 1979 में मक्का में ग्रैंड मस्जिद पर कब्जा करने के दोषी 63 आतंकवादियों के लिए जनवरी, 1980 में सामूहिक फांसी दी गई थी।

एक हाथी बना श्रीलंका के लिए 'राष्ट्रीय शर्म' की बात! भेजा गया थाईलैंड वापस

कोलंबो। थाईलैंड ने दो दशक पहले श्रीलंका को एक हाथी उपहार के रूप में दिया था। बीते रविवार को उस हाथी को वापस थाईलैंड भेज दिया गया। तब से यहां लोग इस घटना को श्रीलंका के लिए 'राष्ट्रीय शर्म' की बात बता रहे हैं। यह चर्चा आम है कि श्रीलंका एक हाथी की भी देखभाल नहीं कर पाया।

श्रीलंका की संसद में सांसद डुलास अलाहापेरुमा ने कहा- 'हाथी के साथ जैसा व्यवहार

हाथी इस आपसी समझदारी के साथ श्रीलंका लाया गया था कि टेंपल ऑफ टूथ में होने वाले वार्षिक समारोह के दौरान इस हाथी पर रखकर उस कास्केट को लाया जाएगा, जिसके बारे में मान्यता है कि उसमें भगवान बुद्ध के अवशेष रखे हुए हैं।

जानकारों के मुताबिक थाईलैंड के शाही परिवार ने इसे अपने लिए गौरव की बात माना था कि उनके दिए हाथी पर भगवान बुद्ध के अवशेष रखे जाएंगे। इस कास्केट को पूरे बौद्ध जगत में पवित्र माना जाता है। हाथी के श्रीलंका आने के बाद कुमारतुंगा ने उसे केंडे विहारा को दे दिया। तब इस खबर से थाईलैंड ने तत्कालीन राष्ट्रपति चंद्रिका कुमारतुंगा को भेंट किया था। तब ने हाथी की दुर्दशा की तरफ लोगों का ध्यान खींचा। बाद में उन्होंने थाईलैंड सरकार से गुजारिश की कि वह हाथी को वापस ले जाए। जब थाईलैंड सरकार ने श्रीलंका सरकार पर दबाव बनाया, तब हाथी को केंडे विहारा से हटाया गया। उसके बाद पिछले साल नवंबर उसे डेहिवाला चिड़ियाघर में रखा गया। लेकिन वहां भी हाथी बीमार अवस्था में रहा।

हाथी की हालत न सुधरने के कारण थाईलैंड ने हाथी को वापस ले जाने का फैसला किया। शनिवार रात को उसे चिड़ियाघर से बाहर लाया गया और रविवार को वह थाईलैंड रवाना हो गया। वैसे चिड़ियाघर अधिकारियों का में निराशा जताई गई थी। पिछले साल पशु अधिकार कार्यकर्ताओं दावा है कि उनके यहां हुई देखभाल से मुथु राजा नाम के इस हाथी के जख्म 80 से 90 फीसदी तक ठीक हो गए थे।

कार्यकर्ताओं का आरोप है कि हाथी का इस्तेमाल सामान ढोने और पैसा कमाने के अन्य कार्यों में किया गया। उनके मुताबिक जिस मंदिर के लिए हाथी को लाया गया था, उस मंदिर के कर्ता-धर्ता ही व्यापारिक गतिविधियों में शामिल हैं। श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुनावर्धने ने पिछले महीने संसद में बताया था कि उन्होंने हाथी के साथ हुए व्यवहार को लेकर थाईलैंड के राजा से माफी मांगी है। उन्होंने दावा किया कि इस वजह से दोनों देशों के रिश्तों में आई दरार को अब पाट दिया गया है।

पाकिस्तान में सियासत के लिए अब कुरान का सहारा! विरोध में कूदे सत्ता पक्ष और विपक्ष

लंदन। स्वीडन में कुरान जलाए जाने की घटना पाकिस्तान में अंदरूनी सियासत का सहारा बन गई है। इस घटना से मुस्लिम समुदाय की भड़की भावनाओं का फायदा उठाने की होड़ में देश की प्रमुख राजनीतिक पार्टियां कूद पड़ी हैं। इस मामले में पहल पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख इमरान खान ने की। सोमवार को उन्होंने देशवासियों का आह्वान किया था कि वे अगले शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद इस घटना पर विरोध जताने के लिए सड़कों पर उतरें। सत्ता पक्ष ने भी इस होड़ में कूदने का फैसला किया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एलान किया है कि शुक्रवार को देश भर में 'पवित्र कुरान दिवस' मनाया जाएगा। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में कुरान का अपमान किया गया था। पहले वहां अधिकारियों ने एक व्यक्ति को ऐसा करने की इजाजत दी थी। लेकिन जब इस घटना के विरोध में इस्लामी देशों में स्वीडन में बने सामानों का बहिष्कार शुरू हो गया, तो स्वीडन सरकार ने इस घटना की निंदा की। इसके बावजूद पाकिस्तान समेत अन्य मुस्लिम

देशों में इस घटना पर विरोध जताने का सिलसिला जारी है। शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में उनकी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की एक बैठक हुई। इसमें फैसला लिया गया कि सात जुलाई को यौम-ए-तकद्दुस-ए-कुरआन (कुरान की पवित्रता का दिन) मनाया जाएगा। उस रोज देश भर में प्रतिरोध रैलियां आयोजित की जाएंगी। शहबाज शरीफ ने सभी राजनीतिक दलों सहित तमाम देशवासियों से अपील की है कि वे इन रैलियों में हिस्सा लें। पीएमएल-नवाज की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा है- 'पूरे कौम को एक स्वर में शैतान दिमागों को अपना संदेश भेजना चाहिए।'

इस बीच शहबाज शरीफ सरकार ने गुरुवार को संसद के दोनों सदनों- नेशनल असेंबली और सीनेट- का साझा सत्र आयोजित करने का फैसला किया है। इसमें स्वीडन की घटना के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा। शहबाज शरीफ ने कहा है- 'कौम की भावनाओं को संसद के मंच पर पूर्ण अभिव्यक्ति दी जाएगी। कुरान का सम्मान हमारे मजहब का हिस्सा है और इस मुद्दे पर हम सभी एकजुट हैं।'

सोशल मीडिया पर सामग्री को लेकर दबाव नहीं बना पाएगी बाइडन सरकार, अमेरिकी कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में एक अदालत ने फैसला सुनाया कि बाइडन प्रशासन सोशल मीडिया पर मौजूद किसी भी सामग्री के लिए दबाव नहीं डाल सकता और न नियंत्रित कर सकता है। कोर्ट ने प्रशासन को कंपनियों से दूर रहने के आदेश दिए हैं। न्यायाधीश टेरी डौटी ने लुइसियाना और मिसौरी में रिपब्लिकन अटॉर्नी जनरल द्वारा दायर एक शिकायत के जवाब में यह आदेश दिया। याचिकाकर्ताओं ने बाइडन प्रशासन पर सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब जैसी कंपनियों पर सेंसरशिप लगाने का आरोप लगाया था। मुकदमा मूल रूप से मिसौरी के अटॉर्नी जनरल एरिक श्मिट और लुइसियाना अटॉर्नी जनरल जेफ लैंड्री द्वारा दायर किया गया था। उन्होंने बाइडन प्रशासन पर आरोप लगाया गया था कि बाइडन प्रशासन के सरकारी अधिकारी गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाने की आड़ में रूढ़िवादी सोच को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के साथ मिलीभगत कर रहे है, जिसमें कोरोना महामारी से जुड़े पोस्ट भी शामिल थे। श्मिट को नवंबर में अमेरिकी सीनेट के लिए चुना गया। उन्होंने कहा कि यह स्वतंत्र भाषण की जीत है। मिसौरी के रिपब्लिकन सीनेटर एरिक श्मिट ने कहा कि बाइडन प्रशासन पर यह एक बड़ी जीत है और सेंसरशिप के लिए एक झटका है। वहीं लुइसियाना के पश्चिमी जिले के अमेरिकी जिला न्यायालय के जज टेरी ए डौटी का यह आदेश सभी मुद्दों के लिए नहीं है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।